RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
# चेतना मंच

पेज 7
9 साल बाद पर्दे पर साथ...

वर्ष : 26 अंक : 341 website:www.chetnamanch.com नोएडा, सोमवार, 02 दिसंबर, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

## संयुक्त किसान मोर्चा की हुंकार

# नोएडा के बॉर्डर सील, 'दिल्ली कूच' पर अड़े

- बैरियर तोड़कर दिल्ली की ओर बढ़े किसान
- डीएनडी, कॉलिंदी कुंज, महामाया फ्लाईओवर पर भीषण जाम

**नोएडा (चेतना मंच)।** गौतमबुद्धनगर जनपद के किसान संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में आज हजारों की संख्या में नोएडा से दिल्ली कूच करने जा रहे हैं। एक दिन पहले ही किसानों और प्रशासन के बीच हाईलेवल मीटिंग हुई थी। लंबे समय से किसान नोएडा की तीनों अथॉरिटी का घेराव करते आ रहे हैं। रविवार को जब मांगों पर सहमति नहीं बनी तो किसानों ने 'दिल्ली चलो' का नारा बुलंद किया। किसान अब संसद का घेराव करना चाहते हैं। आंदोलन करने वाले किसान संगठन जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को 10 फीसदी विकसित प्लॉट और नए भूमि अधिग्रहण कानून के लाभ देने की मांग उठा रहे हैं। किसानों के ऐलान के बाद नोएडा और दिल्ली के सभी बॉर्डर सील कर दिए गए हैं जिस वजह से सभी बॉर्डरों पर महाजाम लग गया है। संयुक्त किसान मोर्चे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान महामाया फ्लाईओवर के नीचे एकत्र हो गए हैं।

किसानों के ऐलान के बाद नोएडा और दिल्ली पुलिस अलर्ट हो गई है और बॉर्डर पर सतर्कता बरती जा रही है। कई जगहों पर बेरिकेड्स लगा दिए गए हैं। कई किसान नेताओं को नजरबंद किया जा रहा है। वहीं कुछ को हिरासत में लिया गया है। सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा भारतीय किसान यूनियन (भानू) के राष्ट्रीय महासचिव अरविंद भाटी, भारतीय किसान यूनियन (क्रांति) के प्रदेश अध्यक्ष परविंदर अवाना, भारतीय किसान यूनियन (भानू) के वरिष्ठ नेता चौ. बीसी प्रधान को पुलिस ने किसान आंदोलन के चलते गिरफ्तार कर लिया। नोएडा से सटे सभी बॉर्डर पर बैरिकेटिंग की गई है। नोएडा और दिल्ली पुलिस ने समन्वय स्थापित किया है और मेट्रो के इस्तेमाल की सलाह दी गई है।

### किसानों की क्या है मांग ?

किसानों का कहना है कि नए भूमि अधिग्रहण कानून के अनुसार 1 जनवरी 2014 के बाद अधिग्रहित भूमि का 4 गुना मुआवजा दिया जाए। गौतमबुद्धनगर में 10 साल से सर्किल रेट भी नहीं बढ़ाया गया है। नए भूमि अधिग्रहण कानून के लाभ जिले में लागू किए जाएं. किसान चाहते हैं कि जमीन अधिग्रहण के बदले 10 फीसदी विकसित भूखंड दिया जाए और 64.7 फीसदी की दर से मुआवजा दिया जाए। भूमिधर, भूमिहीन किसानों के बच्चों को रोजगार और पुनर्विकास के लाभ दिए जाएं। हाई पावर कमेटी की सिफारिशें लागू की जाएं। आबादी क्षेत्र का उचित निस्तारण किया जाए. ये सारे निर्णय शासन स्तर पर लिए जाने हैं।

किसान आंदोलन के कारण दिल्ली जाने वाले रास्तों पर भारी जाम लग गया है। चिल्ला बॉर्डर पर वाहनों के पहिये थम रह रहे हैं। वहीं, किसान दिल्ली कूच पर अडे हैं। दिल्ली-नोएडा और चिल्ला बॉर्डर पर किसानों को रोकने के लिए पुलिस मुस्तैद की गई है। यहां सुबह से ही भारी जाम देखने को मिल रहा है। किसानों पर ड्रोन से नजर रखी जा रही है। नोएडा के बॉर्डर सील किए जाने के कारण महामाया फ्लाईओवर, चिल्ला बॉर्डर, डीएनडी फ्लाईओवर और कॉलिंदी कुँज बॉर्डर पर भयंकर जाम लग गया है।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत), भारतीय किसान परिषद, किसान मजदूर मोर्चा इस संयुक्त किसान मोर्चे में शामिल है। संयुक्त किसान मोर्चे में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना विकास प्राधिकरण से प्रभावित किसानों के अलावा बुलंदशहर, अलीगढ़ और आगरा के किसान भी शामिल हैं। मार्च को देखते हुए गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था शिवहरि मीणा ने सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को (शेष पृष्ठ-3 पर)

### यूपी में चली तबादला एक्सप्रेस

## 13 आईपीएस अफसर बदले

### नोएडा मुख्यालय के प्रभारी बने अजय कुमार

**लखनऊ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने देर रात 13 आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। देर रात चली तबादला एक्सप्रेस के बाद 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ में तैनात अजय कुमार को प्रभारी अपर पुलिस आयुक्त, मुख्यालय गौतमबुद्धनगर बनाया गया है।

योगी सरकार ने देर रात 13 आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिये। बहराइच हिंसा के बाद देवीपाटन मंडल के अमरेन्द्र कुमार को हटा दिया गया है। उनकी जगह अमित पाठक की नियुक्ति की गई है। देर रात हुए तबादलों के मुताबिक डॉ. एन रविंदर को ADG भ्रष्टाचार निवारण नियुक्त किया गया। संजीव गुप्ता को ADG स्थापना के साथ-साथ DGP के GSO की जिम्मेदारी दी गई। नचिकेता झा को सचिव गृह, लखनऊ नियुक्त किया गया। आर.के. भारद्वाज को पुलिस महानिरीक्षक, भवन कल्याण के पद पर नियुक्त किया गया। आकाश कुलहरि को पुलिस महानिरीक्षक, लोक शिकायत नियुक्त किया गया। अमित पाठक को पुलिस महानिरीक्षक, देवीपाटन परिक्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई। अमरेंद्र प्रसाद सिंह को पुलिस उपमहानिरीक्षक, अभिसूचना नियुक्त किया गया। दिनेश कुमार पी. को पुलिस उपमहानिरीक्षक, बस्ती परिक्षेत्र बनाया गया। बबलू कुमार को संयुक्त पुलिस आयुक्त, अपराध एवं मुख्यालय नियुक्त किया गया। केशव कुमार चौधरी को पुलिस उपमहानिरीक्षक, झांसी परिक्षेत्र नियुक्त किया गया। संजीव त्यागी को अपर पुलिस आयुक्त, पुलिस कमिश्नरेट नियुक्त किया गया। कलानिधि नैथानी को पुलिस उपमहानिरीक्षक, मेरठ परिक्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई। अजय कुमार को प्रभारी APC, मुख्यालय कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर नियुक्त किया गया।

## सुबह-शाम ठंड, मौसम अभी भी जहरीला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली-एनसीआर में बदलते मौसम के साथ प्रदूषण का स्तर भी अपना रंग दिखा रहा है। दिसंबर का महीना शुरू हो चुका है। लेकिन सर्दी का पूरा एहसास नहीं हो रहा है। सुबह और शाम को ठंड होती है और दिन में हल्की ठंड के साथ गर्मी का असर रहता है। मौसमी बदलाव के कारण हवा बेहद खराब से निकलकर खराब श्रेणी में पहुंच गई है। लंबे समय से एक्यूआई खराब श्रेणी में है। धुंध से ट्रेनों की रफ्तार पर भी असर पड़ रहा है। वहीं इंडिया गेट पर लोग मॉर्निंग वॉक पर भी निकले। जिन्हें वायु प्रदूषण से परेशानी का सामना करना पड़ा।

सोमवार सुबह सात बजे आनंद विहार इलाके में एक्यूआई 303, द्वारका सेक्टर आठ में 305, जहांगीरपुरी में 312 दर्ज हुआ है। हालांकि, यह राहत मंगलवार तक ही रहने का अनुमान है। उसके बाद फिर हवाएं बेहद खराब हो सकती हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक रविवार को वायु (शेष पृष्ठ-3 पर)

## संभल-अडाणी पर फिर विपक्ष का हंगामा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्ष संभल हिंसा और अडाणी के मुददे पर सदन में चर्चा की मांग को लेकर हंगामा कर रहा है। सत्र के 5वें दिन भी अदाणी समूह पर लगे आरोपों और संभल हिंसा समेत कई विभिन्न मुद्दों को लेकर संसद में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण अब तक संसद के दोनों सदन ठीक से नहीं चल पाए हैं। आज भी गतिरोध बरकरार है।

आज भी लोकसभा की कार्यवाही नहीं चल पाई और विपक्ष के हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई है। सदन की कार्यवाही जब 12 बजे शुरू हुई तो विपक्ष ने फिर हंगामा शुरू कर दिया जिसके बाद लोकसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

## संभल जाने की जिद पर अड़े कांग्रेसी, धरने पर बैठे

**लखनऊ (एजेंसी)।** संभल हिंसा के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति गर्म हो गयी है। आज कांग्रेस के नेताओं ने संभल जाने का ऐलान किया। जिसके बाद उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कांग्रेस दफ्तर के बाहर पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने से रोकने के लिए लोकल पुलिस के अलावा दो पीएसी जवानों के बस भी बुलाए गए हैं। कांग्रेस दफ्तर के आस-पास बैरिकेडिंग की जा रही है। आज दोपहर जब कांग्रेस मुख्यालय पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय संभल जाने के लिए निकले तो उन्हें लखनऊ पुलिस ने उन्हें रोक दिया। जिसके बाद अजय राय व अन्य कांग्रेसी धरने पर बैठ गए। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पुलिस में धक्का-मुक्की भी हुई।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रेसिडेंट अजय राय ने बताया कि यह रोक 30 नवंबर तक थी और कांग्रेस का वहां जाने का प्लान पहले से ही बना हुआ था. पार्टी डेलिगेशन को किसी तरह से रोका जाए, इसलिए यह रोक 10 दिसंबर तक बढ़ाई गई है। ये लोग कितने भी पुलिस वाले लगा लें, हम लोग संभल जाकर रहेंगे।

यूपी पुलिस ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को नोटिस जारी कर उनसे संभल का दौरा स्थगित करने को कहा है। अजय राय ने कहा कि उन्होंने मुझे नोटिस जारी किया है और कहा है कि मेरे दौरे से अराजकता फैलेगी. निश्चित रूप से हम भी अराजकता नहीं बल्कि शांति चाहते हैं। पुलिस और सरकार ने वहां जो अत्याचार और अन्याय किया है, मैं चाहता हूं कि मेरे नेतृत्व को यह पता चले। उन्होंने (पुलिस ने) मुझे नोटिस दिया है लेकिन मैं वहां शांतिपूर्वक जाऊंगा।

## इलेक्ट्रिक वाहन स्वामियों के लिए खुश खबरी

### शीघ्र ही 200 चार्जिंग स्टेशन स्थापित करेगा प्राधिकरण

**नोएडा (चेतना मंच)।** इलेक्ट्रिक व्हीकल के स्वामियों के लिए अच्छी खबर है। अब उनके बैटरी की चार्जिंग के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। नोएडा प्राधिकरण अब 50 के स्थान पर 200 ई-चार्जिंग स्टेशन बनाएगा।

प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि ये स्टेशन बाजार, बस स्टैंड, मेट्रो स्टेशन आदि के पास अधिक संख्या में खोले जाएंगे।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि ट्रैफिक सेल की तरफ से प्राथमिक चरण में संबंधित 200 स्थानों का सर्वे कर लिया है। अब नियोजन विभाग के साथ सर्वे कर सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। नियोजन विभाग यह जांच करेगा कि संबंधित जमीन पर कोई अन्य परियोजना या अन्य प्रयोग के लिए तो नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि जगह फाइनल होते ही चार्जिंग स्टेशन खोलने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। वहीं शहर में करीब चार-पांच साल पहले 60 स्थानों पर एक एजेंसी के माध्यम से चार्जिंग स्टेशन खोले गए थे। ये स्टेशन फिलहाल बंद पड़े हैं। आरोप है कि बिजली कनेक्शन न मिलने, सामान चोरी हो जाने व एजेंसी के ठीक ढंग से काम नहीं करने की वजह से ये बंद हो गए। अभी कई स्थानों पर ई-चार्जिंग स्टेशन न होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई स्थानों पर ई-चार्जिंग के लिए लोगों को इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में बंद पड़े सभी ई चार्जिंग स्टेशन को खोला जाएगा।

## सलारपुर के हजारों लोगों को मिला तोहफा!

### 10 करोड़ की लागत से सिंचाई नाले पर बनेंगे दो पुल

**नोएडा (चेतना मंच)।** वर्षों से सलारपुर तथा नाले की सर्विस रोड आने-जाने वालों के लिए काल साबित हो रहे जर्जर पुलों से निजात मिल जाएगी। नोएडा प्राधिकरण की पहल पर अब यहां पर 10 करोड़ की लागत से सिंचाई विभाग के नाले पर दो पुलों का निर्माण किया जाएगा।

दोनों पुल के निर्माण में 4.95-4.95 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। एक साल में सिचाई विभाग को निर्माण पूरा करना होगा। इसके लिए जल्द ही दोनों विभागों के बीच एग्रीमेंट साइन होंगे। दोनों पुलों की लंबाई 100-100 मीटर होगी। इन पुलों के बनने से सलारपुर गांव के अलावा आसपास के लाखों लोगों को फायदा होगा।

नोएडा का सलारपुर गांव रिहायशी गांव है। ये गांव एक्का लाइन से सटा हुआ है। मुख्य सड़क पर जाने के लिए यहां सिचाई विभाग के दो पुराने पुल बने हुए है। ग्रामीणों की मांग थी कि दो और पुल का निर्माण कराया जाए। प्राधिकरण ने उनकी मांग को मानते हुए यहां दो नए पुल बनाने का निर्णय लिया। दोनों में प्रत्येक पुल की लंबाई 100 मीटर होगी। इनकी चौड़ाई 7 मीटर की होगी। दोनों में आवाजाही दोनों तरफ से होगी। यानी वाहन आ जा सकेंगे। ये पुल प्रॉपर पिलर पर बनाए जाएंगे।

जिनसे वाहन आसानी से मुख्य सड़क तक पहुंच सकेंगे। पुलिस निर्माण के लिए आईआईटी एप्रूवल मिलने के बाद सिचाई विभाग के साथ एमओयू साइन किया जाएगा। चूकी ये पुल सिचाई विभाग के नाले पर बनने है। ऐसे में निर्माण सिचाई विभाग करेगा। जबकि फंड प्राधिकरण देगा। इसके अलावा गांव सलरपुर के पीछे पुश्ता रोड की रिसर्फेसिंग का काम भी किया जाएगा। वहीं गांव में बारात घर का निर्माण भी कराया जाएगा। जिसका बजट तैयार किया जा रहा है। जल्द ही निर्माण के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे।

## असुरक्षित हिंदू

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर कातिलाना हमले और उनके मंदिरों को तोडने, आग लगा देने की घटनाओं पर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर संसद के दोनों सदनों में वक्तव्य देंगे। विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के सामने भी मंत्रालय बांग्लादेश की घटनाओं का खुलासा करेगा। क्या बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात और हिंदुओं पर किए जा रहे अत्याचारों पर भारत सरकार का यह रुख ही पर्याप्त है? क्या प्रधानमंत्री मोदी को वहां की अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस से सख्त लहजे में बात नहीं करनी चाहिए? क्या बांग्लादेश को 1971 की याद नहीं दिलानी चाहिए? हम नहीं जानते कि कूटनीति क्या कहती है, लेकिन हम वहां के हिंदुओं के अस्तित्व को लेकर चिंतित हैं। बांग्ला हिंदू भी बुनियादी तौर पर 'भारतीय' ही हैं। चिंतित सरोकार तो यह है कि यूनुस मौजूदा घटनाओं और हत्याओं को 'हिंदू अत्याचार' मानते ही नहीं! बांग्लादेश की सडकों पर जो बेखौफ भीड़ दिखाई देती है, हिंदुओं को मारने-काटने के जो नारे बुलंद किए जा रहे हैं, रात में हिंदुओं के घरों में घुसकर सेना और पुलिस जो यातनाएं दे रही हैं, अपहरण-धर्मांतरण किए जा रहे हैं, मंदिरों में देवी-देवताओं की जिस तरह प्रतिमाएं खंडित की जा रही हैं, क्या वे खुद हिंदू ही कर रहे हैं? भारत के हिंदू हों या बांग्लादेश में बसे हिंदू हों, सभी सनातनी संस्कृति के आस्थावान समुदाय हैं। उनके जीवन और धार्मिक स्वतंत्रता की सुरक्षा करना प्रधानमंत्री मोदी का ही समान दायित्व है। यह बांग्लादेश का आंतरिक मामला नहीं है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह का राज्यसभा में दिया यह बयान बिल्कुल गलत है कि हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की रक्षा करना वहां की सरकार की जिम्मेदारी है। वहां के कट्टरपंथी तो बांग्लादेश को हिंदू-मुक्त करना चाहते हैं। वे ऐसे ऐलान भी करते रहे हैं। स्थानीय विश्वविद्यालयों से हिंदू प्रोफेसरों को जबरन निकाला जाता रहा है। वहां की सरकार खामोश, कन्नी काट कर बैठी रहेगी, तो क्या भारत सरकार भी तटस्थ बनी रहेगी? शायद बांग्लादेश की मौजूदा पीढ़ी को याद नहीं है कि 1971 में पूर्वी पाकिस्तान को बांग्लादेश बनाने में भारत का निर्णायक योगदान था। यदि भारतीय सेना तत्कालीन 'मुक्तिवाहिनी' के आंदोलन के साथ न जुड़ती, तो शायद बांग्लादेश ही न बनता! बेखौफ, बेलगाम घूमती कट्टरपंथी जमात को यह इतिहास पढ़ाया जाना चाहिए। बांग्लादेश की मौजूदा पीढ़ी को यह भी याद नहीं होगा कि जब 'बांग्लादेश' बन रहा था, तब चारों ओर भुखमरी, गरीबी के ही हालात थे। उस दौर में 'इस्कॉन' ने ही रोजाना लाखों लोगों को भोजन मुहैया कराया था। भारत में भी करीब 12,000 बांग्लादेशियों को हर रोज खाना खिलाया गया था। आज भी बांग्लादेश में 'इस्कॉन' 77 मंदिरों का संचालन कर रहा है और 75,000 से अधिक उसके अनुयायी हैं। तब प्रख्यात सितारवादक पंडित रवि शंकर ने एक अन्य विदेशी संगीतकार के साथ मिल कर न्यूयॉर्क में कंसर्ट किया था, जिससे बांग्लादेश के लिए 100 करोड़ रुपए जुटाए गए थे। क्या बांग्लादेशी उस एहसान की कीमत चुका सकते हैं? क्या उसी 'इस्कॉन' को हिंदू-विरोधी जमात 'आतंकवादी' करार देगी? यह तो संतोष की बात है और उसके लिए अदालत के नीर-क्षीर विवेक का आभार व्यक्त करना चाहिए कि ढाका उच्च न्यायालय ने 'इस्कॉन' पर प्रतिबंध लगाने से इंकार कर दिया और हुकूमत समर्थित याचिका को खारिज कर दिया। बहरहाल, हिंदुओं की सुरक्षा की सबसे अधिक जिम्मेदारी भारत सरकार की बनती है।

# जीत और गठबंधन की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी कांग्रेस?

कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका देशव्यापी जनाधार है। लेकिन वह 'जीत' और 'गठबंधन' की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी, यह एक यक्ष प्रश्न है? आखिर कमजोर 'सियासी बैशाखियों' के सहारे उसकी जीत कितना मुकम्मल कहलाएगी और स्थायी बन पाएगी, यह उससे भी ज्यादा विचारणीय पहलू है! वैसे भी जब कांग्रेस विभिन्न महत्वपूर्ण राज्यों में क्षेत्रीय दलों की वैशाखी ढूंढती है या फिर मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो मुझे इसके रणनीतिकारों पर तरस आती है।

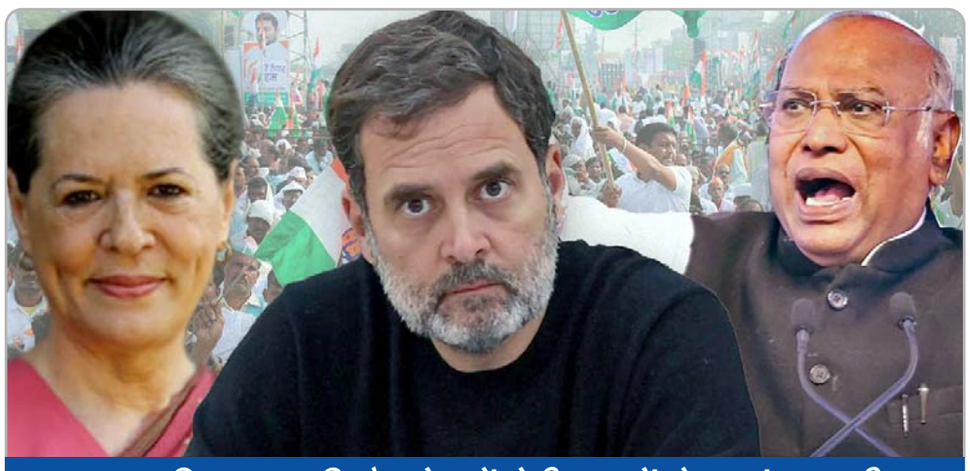

*माना कि सत्ता प्राप्ति के लोभ में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन यानी यूपीए/महागठबंधन की सोच तो सही है, लेकिन इनके इशारे पर कांग्रेस संगठन को हांकना कतई सही नहीं है। कांग्रेस इससे इंकार कर सकती है, लेकिन वह आज इसी की पूरी सियासी कीमत अदा कर रही है।*

ऐसा इसलिए कि मैंने भू-जमींदारी देखी है, जहां पर लोग अपनी जमीनें ठेके या बंटाईदारी पर देकर अनाज और पैसे दोनों लेते हैं। ठीक उसी तरह से आज कांग्रेस के रसूखदार और धन्नासेठ नेता पार्टी संगठन में पद और चुनावी टिकट देने के वास्ते 'वोट' और 'पैसा' दोनों लेते/लिवाते हैं, यह जानते हुए भी कि सामने वाला न तो उनका जनाधार बढ़ा पाएगा और न ही चुनाव जीत/जीतवा पाएगा। ऐसा वो सिर्फ इसलिए करते हैं कि सामने वाला अमीर है, वफादार है, पिछलग्गू भर है या फिर निहित समीकरण वश किसी ने उसकी सिफारिश की है। बेशक कुछ अपवाद भी हो सकते हैं, लेकिन वही जिनके नेहरू-गांधी परिवार से ठीकठाक सम्बन्ध हैं।

अब बात पते की करते हैं। जैसे एक शातिर बंटाईदार अपने भूस्वामी की भूमि पर भी कब्जा कर लेता है और इसमें जब वह असफल होता है तो जमीन मालिक से कम कीमत में उसकी रजिस्ट्री करवाना चाहता है। अनुभवहीन भूस्वामियों को ऐसा करते हुए भी देखा सुना है। ठीक इसी प्रकार लालू प्रसाद और स्व. मुलायम सिंह यादव जैसे नवसियासी बटाईदारों ने कांग्रेस के साथ किया और आज क्षेत्रीय सियासी जमींदार बन बैठे हैं। ऐसा इसलिए सम्भव हो सका, क्योंकि निहित स्वार्थवश पीवी नरसिम्हाराव यही चाहते थे! उनके तिकड़म को सोनिया गांधी नहीं समझ सकीं!

वहीं, आज जब राहुल-प्रियंका गांधी की कांग्रेस की रीति नीति देखता हूँ तो इनकी राजनीतिक जमींदारी के ह्रश्र को महसूस भी करता हूँ। कांग्रेस माने या न माने, लेकिन समाजवादी, वामपंथी और राष्ट्रवादी सियासी जमींदारों ने उसकी राजनीतिक जमींदारी को क्षत-विक्षत करने में अहम भूमिका निभाई है और हैरत की बात यह है कि वह समझ नहीं पाई और नादान बनी रही। जबकि इसके खिलाफ ठोस और जमीनी रणनीति बनानी चाहिए। जैसे कि उसके बाद जन्मी भाजपा ने किया है।

माना कि सत्ता प्राप्ति के लोभ में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन यानी यूपीए/महागठबंधन की सोच तो सही है, लेकिन इनके इशारे पर कांग्रेस संगठन को हांकना कतई सही नहीं है। कांग्रेस इससे इंकार कर सकती है, लेकिन वह आज इसी की पूरी सियासी कीमत अदा कर रही है। आज वह सत्ता में नहीं है, फिर भी उन्हीं लोगों से सहारा ढूंढ रही है, जो उसकी सियासी पतन के लिए कसूरवार हैं। चूंकि मैंने एआईसीसी/बीजेपी/तीसरे मोर्चे को कवर किया है, इसलिए दावे के साथ कह सकता हूँ कि कांग्रेस के अंग्रेजी भाषी दलाल नेताओं ने उसके जमीनी नेताओं को भाजपा या क्षेत्रीय दलों में जाने के लिए अभिशप्त कर दिया।

चूंकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए वो अपने व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इस बात में कोई दो राय नहीं कि किसी भी स्थापित दल को चलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय लायजनरों की जरूरत पड़ती है, लेकिन इनके निहित स्वार्थों के ऊपर यदि ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जनाधार रखने वाले नेताओं की उपेक्षा की जाएगी तो फिर वोट कहाँ से आएगा, यह सोचने की फुर्सत सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के पास नहीं होगी।

अतीत पर नजर डालें तो एक जमाना था जब गांव-गांव में कांग्रेस के मजबूत शुभचिंतक थे, लेकिन पार्टी की अव्यवहारिक रीति-नीति के चलते वह इससे दूर होते चले गए। दो टूक कहें तो भाजपा में या क्षेत्रीय दलों में शिफ्ट हो गए। ऐसे में आज कांग्रेस के पास सिर्फ उन %धनपशुओं% की टोली बची है, जिनको दूसरी राजनीतिक पार्टियां कभी तवज्जो नहीं देतीं। इनका काम कांग्रेस की सत्ता और संगठन के बड़े नेताओं के शाही खर्चों का इंतजाम करना भर है और इसलिए इनके समर्थक ब्लॉक, जिला, राज्य व राष्ट्रीय संगठनों पर हावी हैं।

चूंकि इनका कोई जनाधार नहीं है और ये जनाधार वाले कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं देते, इसलिए कांग्रेस खत्म होती चली गई। वहीं, जब से क्षेत्रीय कांग्रेस के नेता अस्तित्व रक्षा के लिए बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद व तेजस्वी यादव तथा उत्तरप्रदेश में सपा प्रमुख स्व. मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव जैसे मजबूत नेताओं के इशारे पर काम करने लगे, तब से पार्टी संगठन की स्थिति और अधिक दयनीय हो गई।

आलम यह है कि कांग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टी, जिसे देश की आजादी का श्रेय प्राप्त है, जब जनजीवन व राष्ट्रीय हितों से इतर प्रमुख जातीय, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय समीकरणों पर खेलने लगी, तो उसकी जो?-तो? से सत्ता तो बदलती रही, परंतु जनाधार छीजता चला गया। क्योंकि उसके प्रति निष्ठावान रहे प्रतिभाशाली पेशेवर, कारोबारी, प्रशासक और समाजसेवी आदि उससे दूर होते चले गए। चूंकि पहले क्षेत्रीय दलों और उसके बाद भाजपा ने उन्हें तवज्जो दी, इसलिए वो सब इनके साथ जुड़ गए, जिससे इन्हें अप्रत्याशित मजबूती मिली और कांग्रेस को कमजोरी मुबारक हुई।

अब जब कांग्रेस की ट्रू कॉपी भाजपा बनती जा रही है तो भी कांग्रेस के थिंक टैंक को असली मुद्दे समझ में नहीं आ रहे हैं। शायद उसकी इसी मनोवृत्ति पर चोट करते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि कांग्रेस को पुराने ढर्रे की राजनीति बंद करनी होगी और नए ढर्रे बनाने होंगे। अन्यथा सियासी सफलता मुश्किल है। लिहाजा कांग्रेस की इसी कमजोरी को मजबूती में बदलने का आह्वान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किया है।

हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी और गठबंधन की हुई करारी हार के बाद हुई पहली कांग्रेस वर्किंग कमिटि की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दो टूक कहा कि अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि इन दोनों ही राज्यों में महज चंद महीने पहले पार्टी का प्रदर्शन काफी संतोषजनक रहा था। लेकिन अब जो नई दुर्गति सामने आई है, वह हमें नए सिरे से सोचने पर मजबूर करती है।

बता दें कि 29 नवंबर 2024 शुक्रवार को हुई कांग्रेस के सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई की इस समीक्षा बैठक में खरगे के अलावा तमाम सीनियर नेता, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद थी। हालांकि बैठक खत्म होने से पहले ही राहुल और प्रियंका निकल गए। इसी मीटिंग में मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के नेताओं के सामने जहां एक ओर इस निराशाजनक प्रदर्शन के लिए तमाम वजहों को गिनाया, वही उन्होंने ईवीएम का मुद्दा भी उठाया।

खरगे का दो टूक कहना है कि पार्टी में अनुशासन की कमी और पुराने ढर्रे की राजनीति के जरिए जीत नहीं मिल सकती। क्योंकि कांग्रेस के भीतर आपसी गुटबाजी एक स्थायी भाव बन चुकी है। उन्होंने इस ओर इशारा करते हुए कहा कि आपसी एकता की कमी और एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी हमें काफी नुकसान पहुंचाती है। जब तक हम एक हो कर चुनाव नहीं लड़ेंगे, आपस में एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी बंद नहीं करेंगे, तब तक अपने विरोधियों को राजनीतिक शिकस्त नहीं दे पाएंगे। इसलिए हमें हर हाल में एकजुट रहना होगा।

वहीं, उन्होंने पार्टी में अनुशासन पर जोर देते हुए संकेत दिया कि पार्टी के लोग अपने स्तर पर अनुशासन में बंधें। वैसे तो पार्टी के पास अनुशासन का हथियार है, लेकिन हम नहीं चाहते कि अपने साथियों को किसी बंधन में डाले। वहीं, खरगे ने कांग्रेस की एक और बड़ी कमी की ओर इशारा करते हुए कहा कि पार्टी अपने पक्ष के माहौल को नहीं भुना पाती। उनका कहना था कि चुनावों में माहौल हमारे पक्ष में था। लेकिन केवल माहौल पक्ष में होना भर ही जीत की गारंटी नहीं होती। इसलिए अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि पार्टी में अनुशासन की कमी है। पार्टी के भीतर आपसी गुटबाजी एक स्थायी भाव बन चुकी है।

सच कहूं तो लोकसभा चुनाव के बाद दो राज्यों में पार्टी की हुई करारी हार के बाद शुक्रवार को सीडब्ल्यूसी मीटिंग में खरगे द्वारा पार्टी की हार की वजहों का जिक्र कोई पहला मौका नहीं था, जब पार्टी ने अपनी कमियों की ओर इंगित किया हो। यह कड़वी सच्चाई है कि कांग्रेस समस्या जानती है, उसका निदान और उपचार भी जानती है, लेकिन इसके लिए जो इच्छा शक्ति की जरूरत होती है, वह पार्टी नेतृत्व में नजर नहीं आती। यही वजह है कि 2014 के आम चुनाव के बाद असेबली चुनावों में पार्टी की हो रही लगातार हार के बाद 2016 में कांग्रेस के तत्कालीन महासचिव दिग्विजय सिंह ने पार्टी में मेजर सर्जरी की जरूरत बताई थी। लेकिन हुआ कुछ नहीं। उल्टे जी-23 में से ज्यादातर को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

इसलिए अब यह देखना दिलचस्प होगा कि खरगे द्वारा पार्टी की कमियों की ओर किया गया यह इशारा क्या वाकई पार्टी और नेताओं के भीतर कोई बदलाव लाएगा? क्या पार्टी अनुशासन की ब्लेड से मेजर सर्जरी कर पाएगी या फिर यह भी बस एक महज खानापूर्ति बन कर रह जाएगा? क्योंकि खरगे का यह सुझाव सही है कि हमें माहौल को नतीजों में बदलना सीखना होगा। उन्होंने जीत के लिए भरपूर मेहनत के साथ-साथ समयबद्ध तरीके से रणनीति बनाने और संगठन की मजबूती पर जो जोर दिया है, वह भी पते की बात है। उनका सुदीर्घ अनुभव इसमें झलकता है।उन्होंने सटीक आईना दिखाया है कि सिर्फ माहौल पक्ष में होना भर ही जीत की गारंटी नहीं होती। क्योंकि भाजपा इसे अपने पक्ष में करना जानती है। हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र तक उसने यही किया है।

खरगे का कहना भी सही है कि हमें अपने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना होगा। हमें मतदाता सूची बनाने से लेकर वोट की गिनती तक रात-दिन सजग, सचेत और सावधान रहना होगा। हमारी तैयारी शुरू से लेकर मतगणना तक ऐसी होनी चाहिए कि हमारे कार्यकर्ता और सिस्टम मुस्तैदी से काम करें। वहीं उन्होंने राज्यों को भी अपना संगठन मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि राष्ट्रीय मुद्दों और राष्ट्रीय नेताओं के सहारे राज्यों का चुनाव आप कब तक लड़ेंगे? उन्होंने प्रदेश संगठनों से कहा कि हाल के चुनावी नतीजों का संकेत यह भी है कि हमें राज्यों में अपनी चुनाव की तैयारी कम से कम एक साल पहले शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने यह कहते हुए राजनीतिक दूरदर्शिता दिखाई है कि हमारी टीम समय से पहले मैदान में मौजूद रहनी चाहिए। जो कि अपने प्रतिद्वंद्वी की तैयारियों पर नजर रखने में सक्षम हो।

वाकई ऐसा संभव हुआ तो यह कांग्रेस के लिए पुनर्जन्म जैसा होगा। लेकिन सुलगता सवाल फिर वही कि क्या पार्टी के नेताओं के अंदर अब कोई बदलाव आएगा? क्या उनके घिसे-पिटे सियासी एजेंडे और तुष्टिकरण की नीति में आमूलचूल बदलाव आएगा? क्या उनकी क्षुद्र जातीय नीतियां बदलेंगी और राष्ट्रनिर्माण के वास्ते को कोई अग्रगामी और निर्णायक कदम उठा पाएंगे! इंतजार करना श्रेयस्कर रहेगा।

**- कमलेश पांडेय**
**वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक**

## रामचरित मानस

**कल के अंक में आपने पढ़ा था जब जड़ ( वृक्ष, नदी आदि ) की यह दशा कही गई, तब चेतन जीवों की करनी कौन कह सकता है? आकाश, जल और पृथ्वी पर विचरने वाले सारे पशु-पक्षी ( अपने संयोग का ) समय भुलाकर काम के वश में हो गए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।**

**मदन अंध ब्याकुल सब लोका। निसि दिनु नहिं अवलोकहिं कोका॥**
**देव दनुज नर किंनर ब्याला। प्रेत पिसाच भूत बेताला॥**
सब लोक कामान्ध होकर व्याकुल हो गए। चकवा-चकवी रात-दिन नहीं देखते। देव, दैत्य, मनुष्य, किन्नर, सर्प, प्रेत, पिशाच, भूत, बेताल- ॥
**इन्ह कै दसा न कहेउँ बखानी। सदा काम के चेरे जानी॥**
**सिद्ध बिरक्त महामुनि जोगी। तेपि कामबस भए बियोगी॥**
ये तो सदा ही काम के गुलाम हैं, यह समझकर मैंने इनकी दशा का वर्णन नहीं किया। सिद्ध, विरक्त, महामुनि और महान योगी भी काम के वश होकर योगरहित या स्त्री के विरही हो गए॥
**छंद- भए कामबस जोगीस तापस पावँरन्हि की को कहै।**
**देखहिं चराचर नारिमय जे ब्रह्ममय देखत रहे॥**
**अबला बिलोकहिं पुरुषमय जगु पुरुष सब अबलामयं।**
**दुइ दंड भरि ब्रह्मांड भीतर कामकृत कौतुक अयं॥**
जब योगीश्वर और तपस्वी भी काम के वश हो गए, तब पामर मनुष्यों की कौन कहे? जो समस्त चराचर जगत को ब्रह्ममय देखते थे, वे अब उसे स्त्रीमय देखने लगे। स्त्रियाँ सारे संसार को पुरुषमय देखने लगीं और पुरुष उसे स्त्रीमय देखने लगे। दो घड़ी तक सारे ब्राह्मण्ड के अंदर कामदेव का रचा हुआ यह कौतुक (तमाशा) रहा। (क्रमशः..)

## राशिफल

**मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष : प्रतिपदा** | **(विक्रम संवत् 2081)**

**मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**
बहुत ध्यानपूर्वक आगे बढ़िएगा। थोड़ा जोखिम भरा समय है, प्रेम संतान के लिए, स्वास्थ्य के लिए।

**वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)**
स्वास्थ्य थोड़ा सा परेशानी वाला रहेगा। उदर रोग से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ और स्वास्थ्य पर ध्यान रखिए।

**मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)**
शत्रुओं की संख्या बढ़ेगी, लेकिन समन भी होगा। आपका दबदबा कायम रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी।

**कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)**
स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम रहेगी लेकिन व्यापार ठीक चलता रहेगा।

**सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)**
गृह कलह के बढ़े संकेत हैं। सीन में विकार संभव है। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में परेशानी होगी।

**कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**
व्यापारिक सोच जो है वो बहुत ज्यादा ऊपर-नीचे रहेगा। बहुत सारे विचार ऊपर-नीचे होते रहेंगे, जिसकी वजह से थोड़ा कन्फ्यूज रहेंगे।

**तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)**
कुटुंबों की संख्या बहुत ज्यादा बड़ी हुई है। कुछ अपने लग रहे हैं, कुछ पराए लग रहे हैं। मन थोड़ा परेशान है।

**वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)**
घबराहट, बेचैनी बनी हुई है। स्वास्थ्य मध्यम है। प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम है। व्यापार ठीक है।

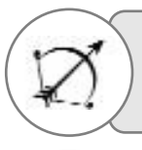

**धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)**
सर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय, खर्च की अधिकता, ये सब परेशान करेंगी। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम।

**मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)**
यात्रा कैंसिल हो सकती है। यात्रा में थोड़ी परेशानी हो सकती है। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

**कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)**
कोर्ट-कचहरी से बचें। राजनीतिक उठापटक बनी रहेगी। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम,संतान मध्यम।

**मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)**
यात्रा में परेशानी होगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार फिर भी ठीक रहेगा।

# दिव्य भजन संध्या व दिव्यातीत भावांजलि कार्यक्रम आयोजित

**नोएडा (चेतना मंच)।** दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान नोएडा द्वारा ईशान आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर ग्रेटर नोएडा में दिव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। दिव्य गुरु आशुतोष महाराज की

शिष्या साध्वी मणिमाला भारती ने शांति एवं सौहार्दपूर्ण भावों को भक्त हृदयों में प्रतिध्वनित करने में भजनों की प्रासंगिकता को उजागर किया। साध्वी ने समझाया कि भजन अशांत एवं विचलित मन को शांति एवं स्थिरता प्रदान करते हैं। डीजेजेएस द्वारा आयोजित भजन संध्या कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनमानस को भक्ति पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का समापन 'ब्रह्मज्ञान- मानव के आंतरिक परिवर्तन का विज्ञान' के बहुमूल्य संदेश से किया गया। संगीतमय शैली में प्रस्तुत इस गूढ़ संदेश को

प्राप्त कर उपस्थित सभी श्रोतागण आत्म विभोर हुए बिना न रह पाए।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में महर्षि भृगु पीठाधीश्वर गोस्वामी सुशील महाराज नेशनल कन्वेनर भारतीय सर्व धर्म सांसद, मनीष गुप्ता, ग्रेटर नोएडा, सौरभ अग्रवाल, विकास जैन प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल, सचिन गोयल प्रदेश महामंत्री उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल, श्रीमति राजेश्वरी त्यागराजन, प्रभाकर देशमुख ( फाउंडर ऑफ म्यूजिक अकादमी), जीपी गोस्वामी (उद्योग कमिश्नर नोएडा), अनूप पंडित (जिला युवा मोर्चा, अध्यक्ष गौतमबुद्धनगर, भाजपा) आदि लोग मौजूद रहे।

## फार्मर रजिस्ट्री के लिए 31 तक चलेगा विशेष अभियान

**नोएडा (चेतना मंच)।** उप कृषि निदेशक गौतम बुद्ध नगर राजीव कुमार ने जनपद के समस्त कृषकों को बताया कि एग्रीस्टैक (डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर एग्रीकल्चर) योजना के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने हेतु जनपद में 31 दिसंबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। विशेष अभियान के तहत फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने हेतु ग्रामवार कैंप लगाया जाएगा।

उन्होंने ग्रामवार कैंप के संबंध में बताया कि विशेष अभियान के तहत 2 दिसंबर 2024 को तहसील दादरी के ग्राम मायचा, दादुपुर खटाना, बिसाहडा, रानौली लतीफपुर, असगरपुर जागीर, बढ़पुरा, रोजा याकुबपुर, दतावली, दुरयाई, भोगपुर, सैंथली, दयानगर, ततारपुर, बादलपुर, मुठियानी, सुनपुरा सोहनपुर, अजायबपुर एवं तहसील सदर के ग्राम लड़पुरा, फजायलपुर, देवटा, लतीफपुर बांगर, दोस्तपुर मंगरौली खादर, मुतैना, कोण्डली बांगर, समसपुर, तालडा, नामौली तथा तहसील जेवर के ग्राम गोविन्दगढ़, रसूलपुर इकबेल, रामनेर, बंकापुर, फलैदा बांगर, मंगरौली, मेंहदीपुर खादर, मोहम्मदाबाद खेड़ा में कैंप आयोजित किये जायेंगे।

इसी प्रकार 3 दिसम्बर 2024 को तहसील दादरी के ग्राम दादुपुर खटाना, बिसाहडा, रानौली लतीफपुर, असगरपुर जागीर, बढपुरा, रोजा याकुबपुर, दतावली, दुरयाई, भोगपुर, सैंथली, दयानगर, ततारपुर, बादलपुर, मुठियानी, सुनपुरा सोहनपुर, अजायबपुर एवं तहसील सदर के ग्राम लड़पुरा, फजायलपुर, देवटा, लतीफपुर बांगर, गिरधरपुर, मुतैना, कोण्डली बांगर, समसपुर, तालडा, नामौली तथा तहसील जेवर के ग्राम शमशमनगर, रसूलपुर इकबल, रामनेर, करौली खादर, फलैदा बांगर, मंगरौली, मेंहदीपुर खादर, मोहम्मदाबाद खेडा में कैंप आयोजित किये जायेंगे।

## रक्षामंत्री से मिला डीडीआरडब्ल्यूए का प्रतिनिधिमंडल

**नोएडा (चेतना मंच)।** डीडीआरडब्ल्यूए के एक प्रतिनिधिमंडल ने देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से उनके दिल्ली स्थित आवास पर जाकर मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उनको पुष्प गुच्छ देकर उनका आशीर्वाद लिया।

बैठक के दौरान डीडीआरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एन.पी. सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार तथा अन्य पदाधिकारियों ने राजनाथ सिंह से विभिन्न मुददों कोलेकर अहम चर्चा की तथा उनको कई सुझाव दिये। रक्षामंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के द्वारा रखी गई मांगों पर आश्वासन दिया।

## पुलिस ने सीटू जिलाध्यक्ष को किया गिरफ्तार

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** नोएडा, किसानो की लंबित मांगों/ समस्याओं को

लेकर आज संयुक्त किसान मोर्चा गौतमबुद्धनगर द्वारा दिल्ली संसद मार्च का ऐलान किया गया था। किसान आंदोलन से घबराई पुलिस ने विभिन्न किसान संगठनों के सैकड़ो कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया है।

थाना सेक्टर-49 नोएडा पुलिस ने सीटू जिला अध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा को बरौला सेक्टर-49 नोएडा आवास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि गिरफ्तारी से किसान आंदोलन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा हजारों किसान आज आंदोलन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा दमन से मजदूर किसानों की आवाज को नहीं दबाया जा सकता और आंदोलन और तेज होगा।

मजदूर किसान संगठनों के कार्यकर्ताओं में थाने के अंदर ही जमकर नारेबाजी कर अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद किया।

## भाजपा का चुनाव कार्यशाला आयोजित

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** भाजपा ज़िला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर स्थित पर जिला संगठन पर्व चुनाव कार्यशाला आयोजित

की गई कार्यशाला में मुख्यअतिथि भाजपा संगठन ज़िला चुनाव अधिकारी विजय शिवहरे व पूर्व केन्द्रीय मंत्री गौतमबुधनगर सांसद डॉक्टर महेश शर्मा मुख्य अतिथि रहे। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने की कार्यशाला का संचालन जिला महामंत्री योगेश चौधरी ने किया।

संगठन पर्व कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विजय शिवहरे ने कहा कि भाजपा संगठन चुनाव को एक पर्व के अनुसार मनाते हुए बूथ गठन के चुनावों में लगी है सभी बूथ गठन के कार्य हो चुके है और उसके बाद 1 दिसम्बर से 15 दिसंबर तक मंडल गठन चुनाव होगा सभी संगठन के चुनावी पर्व की तरह खुशी हर्षोल्लास से पूर्ण हों उसके लिये सभी मंडलों के चुनाव अधिकारी बनाये गये है और सभी चुनाव अधिकारी संगठन पर्व के रूप में सर्वसम्मति से बूथ गठन के कार्यों को पूरा कराकर उसी प्रकार से मंडल गठन के कार्य को पूरा करेंगे।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि भाजपा संगठन वह राजनैतिक संगठन है जिसमे एक सामान्य कार्यकर्ता भी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता और आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी है और उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन चुनाव को पर्व के रूप में पहले सदस्यता संगठन पर्व अभियान की शुरूआत 2 सितंबर से पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नडडा ने देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कराते हुए अभियान की शुरुआत की जिसमे पूरे देश में भाजपा के लगभग इन तीन महीनों में 11 करोड़ से अधिक भाजपा सदस्य बन चुके हैं।

संगठन पर्व चुनाव पर सभी बूथों का गठन करने के काम को पूरा करते हुए अब मंडल चुनाव होगा ।गजेन्द्र मावी ने कहा कि 13 नवम्बर से 15 तक सभी मंडलों की संगठन पर्व कार्यशाला आयोजित की गई उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि जो भी पूर्व पदाधिकारी कार्यकर्ता बूथ पर काम कर रहे है उनको साथ लेकर सर्वसम्मति से बूथ गठन का कार्य पूरा करने का काम भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया और सभी कार्यकर्ता मंडल चुनाव गठन के कार्य में लगेंगे।

इस अवसर पर मुख्यरूप से दादरी विधायक तेजपाल नागर जिला महामंत्री व ज़िला सहचुनाव अधिकारी योगेश चौधरी धर्मेन्द्र कोरी दीपक भारद्वाज वेदप्रकाश गुप्ता सतेंद्र अवाना मनोज गर्ग जिला उपाध्यक्ष सुनील भाटी पवन रावल सतेन्द्र नागर पवन नागर राहुल पंडित जिला मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य सचिन शर्मा पंकज रावल जिला मंत्री सत्यपाल शर्मा गुरुदेव भाटी अभिषेक शर्मा सतपाल तालान सुनील शर्मा कोट इन्द्र नागर दिनेश भाटी अमित पंडित महेश शर्मा संजय भाटी मनोज भाटी राजीव सिंघल विजय रावल अनीता गौतम महेन्द्र नागर राज नागर रजनीं तोमर संतवीर भाटी बिरेन्द्र भाटी मनोज प्रधान सतीश भाटी अंश नागर श्यामवीर भाटी अशोक रावल मुकेश चौहान आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## पौधारोपण आयोजित

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** पार्क व्यू सोसाइटी इकोटेक III की ओर से पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि ACP विवेक रंजन राय उपस्थित रहे। सोसाइटी द्वारा लगभग 50 पौधों का वृक्षारोपण किया गया जिसमें अशोक, आम, पीपल, नीम, वट आदि पेड़ सामिल है।

वृक्षारोपण में सोसाइटी के सदस्य प्रमोद कुमार अग्रवाल, धीरज सिंह, जतिन चनाना, उमेश त्रिपाठी, गुलशन, ओमेंद्र राठौर व अन्य सदस्य सम्मलित हुए।

## वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं पर विचार

### डीएम, एसपी, मेडिकल आफीसर को ज्ञापन देंगे

**मिर्जापुर।** वरिष्ठ नागरिक संरक्षण संस्थान के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक संस्था के अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सभा का संचालन संस्था के सचिव महेश चंद यादव द्वारा किया गया। बैठक में वरिष्ठ नागरिक की समस्याओं एवं कठिनाइयों को दूर करने पर विचार विमर्श के दौरान हॉस्पिटल, रेलवे, थाना, समाज कल्याण विभाग, न्याय विभाग तथा अन्य विभागों से संबंधित पर सभा में शामिल सदस्यों में सुरेश कुमार त्रिपाठ, महेश चंद यादव, सरदार भूपेंद्र सिंह डंग, लालब्रत सिंह, राज कुमार टंडन, रतन कुमार टंडन,केदार नाथ सविता, आनंद कुमार मिश्र, अमरनाथ सिंह, प्रेम नारायण तिवारी इत्यादि सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा गहन विचार विमर्श किया गया और निर्णय लिया गया कि उक्त सभी विभागों को सूचित करने के लिए जनपद मिर्जापुर के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक तथा चीफ मेडिकल ऑफिसर को ज्ञापन दिया जाय और व्यक्तिगत मिलकरके समस्याओं से अवगत कराया जाए और निराकरण हेतु कहा जाय। यह जानकारी सचिव महेश चंद यादव ने दी है।

## पृष्ठ एक के शेष....

**संयुक्त किसान मोर्चा...**

सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्देश दिये है। उनका कहना है कि सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर तैयारी की हुई है। कई थानों की पुलिस और पीएसी को लगाया जाएगा। चिल्ला, डीएनडी बॉर्डर व महामाया फ्लाईओवर के पास भी भारी संख्या में पुलिसबल लगाया जाएगा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर भी कई चेक प्वाइंट बनाए जाने हैं।

माया फ्लाईओवर जहां से किसानों ने आगे दिल्ली कूच का एलान किया है वहां से कालिंदीकुंज से होकर नोएडा सेक्टर-18 की तरफ आने, डीएनडी, चिल्ला बॉर्डर से दिल्ली जाने और नोएडा आने के रास्ते जुड़े हुए हैं। इस वजह से ट्रैफिक पूरी तरह से यहां भीड़ जुटने पर प्रभावित हो जाता है। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों का दावा है कि तैयारी कर ली गई है। नोएडा-दिल्ली की सीमाओं पर बैरियर लगा दिए गए हैं। दिल्ली पुलिस और गौतमबुद्ध नगर पुलिस चेकिंग कर रही है। यातायात दबाव बढ़ने पर कई रूट डायवर्ट किए गए हैं। पुलिस की ओर से लोगों से वैकल्पिक मार्गों और मेट्रो का उपयोग करने की अपील की गई है।

**संभल-अडाणी पर...**

संसद की कार्यवाही शुरू हो गई है, लेकिन दोनों सदनों में विपक्ष का हंगामा बदस्तूर जारी है। विपक्षी सांसद सदन के भीतर नारेबाजी कर रहे हैं और अदाणी मामले, संभल हिंसा और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की मांग पर अड़े हैं।

**सुबह-शाम ठंड, मौसम...**

गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 285 दर्ज किया गया। यह खराब श्रेणी में है। इसमें 24 घंटे के भीतर 61 सूचकांक की गिरावट आई है। ऐसे में स्मॉग की चादर टूट गई।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि सोमवार को कुछ स्थानों पर सुबह स्मॉग, हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा व धुंध रहने की संभावना है। शाम व रात में स्मॉग-धुंध का अनुमान है। आगामी पांच दिसंबर तक अधिकतम तापमान 26-27 डिग्री के बीच बना रहेगा।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी ( मेंहदीपुर ) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक
रामपाल सिंह रघुवंशी
ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर ( यू पी. ) से छपवाकर,
ए-131 सेक्टर-83,
नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

## खास खबर

### मुफिन ग्रीन फाइनेंस: निवेशकों को किया मालामाल

**नई दिल्ली।** हर निवेशक अब मल्टीबैगर स्टॉक की तलाश में रह रहा है और मुफिन ग्रीन फाइनेंस इस तलाश में एक चमकता हुआ सितारा बन गई है। इस छोटे स्केल एनबीएफसी कंपनी ने पिछले 5 वर्षों में अपने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। अत्याधुनिक वित्तीय सेवाओं प्रदान करने वाले मुफिन ग्रीन फाइनेंस ने नई पहल शुरू की है और 15 करोड़ रुपए के निवेश के लिए गैर-सूचीबद्ध, सुरक्षित और कर योग्य नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) जारी करने की योजना बनाई है। इस प्रक्रिया में बोर्ड की मंजूरी के बाद अब नियामक प्राधिकरणों की मंजूरी की प्रतीक्षा है। मुफिन ग्रीन फाइनेंस के नाम को स्टॉक मार्केट में एक नए उच्चस्तर पर पहुंचाने में सफलता मिली है और निवेशकों के लिए यह एक बेहद सुनहरा मौका साबित हो सकता है। आपका माल न देखकर इस सूची में जगह बुक करने के लिए तैयार रहें, क्योंकि यह नई आयाम स्थापित करने का समय है।

### रूस ने कोंडोर-एफकेए रडार सैटेलाइट किया लांच

**व्लादिवोस्तोक।** रूस ने शनिवार को अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सोयुज-2.1ए रॉकेट के माध्यम से कोंडोर-एफकेए नंबर 2 रडार सैटेलाइट को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। यह उपग्रह देश के लिए ऑल-वेदर, राउंड-द-क्लॉक अर्थ ऑब्जर्वेशन के लिए महत्वपूर्ण है। सोयुज-2.1ए रॉकेट ने सफलतापूर्वक उपग्रह को लक्षित कक्षा में पहुंचाया। इस रॉकेट का प्रक्षेपण सुविधाएं भूमि पर से होती हैं, जो इसे अन्य तकनीकों से अलग बनाती है। कोंडोर-एफकेए श्रृंखला के उपग्रह अपनी नेतृत्वक क्षमताओं के साथ बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन उपग्रहों की विशेषता यह है कि वे बादलों के पार से भी धरती पर नजर रख सकते हैं और अंधेरे में काम कर सकते हैं। इसके अलावा इनकी विशेषता इन्हें मैपिंग, पर्यावरण निगरानी, प्राकृतिक संसाधन अन्वेषण, और मार्गदर्शक जहाजों को सहायता पहुंचाने में मादक बनाती है।

### जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 6,019 इकाई पर

**नई दिल्ली।** भारत की प्रमुख मोटरकार कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने रविवार का एक मुख्य घोषणा की कि नवंबर 2024 तक उनकी थोक बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 6,019 इकाई पहुंच गई है। कंपनी ने यह भी कहा कि उनके इलेक्ट्रिक वाहन विंडसर ने 3,144 इकाइयों की बिक्री के साथ दूसरे महीने भी तोड़तोड़ की है। कंपनी ने बताया कि उनकी कुल मासिक बिक्री में नए ऊर्जा वाहनों (एनईवी) का हिस्सा 70 प्रतिशत है। यह उछाल उनके इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू है और उन्हें बाजार में भी मजबूती का अहसास करवाता है। इस ताजा विकेन्द्रीकरण के साथ जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धा को लेकर नए उत्साह का संकेत दिया है। उनकी विंडसर श्रृंखला और एनईवी सेगमेंट में उच्च बिक्री उनके उद्यमी रुझान के प्रति विश्वास को मजबूत कर रही है।

### विदेशी निवेशकों ने निकाले 21,612 करोड़

**नई दिल्ली।** नवंबर महीने में भारतीय इक्विटी बाजार से विदेशी निवेशकों ने इतने संकेतिक रुपए निकाले जितने कि 2.56 अरब अमेरिकी डॉलर में इस संकेतिक निकासी के परिणामस्वरूप, विश्लेषकों ने बताया कि अमेरिकी बॉन्ड के प्रतिफल में वृद्धि, डॉलर की मजबूती और घरेलू अर्थव्यवस्था में मंदी की वजह से एफपीआई निवेशकों की बिकवाली दिख रही है। हालांकि, इस निकासी का स्तर अक्टूबर के निकासी के साथ मुकाबला नहीं कर पा रहा है जब एफपीआई ने 94,017 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। अब तक 2024 में एफपीआई ने कुल 15,019 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एक अ?धिकारी ने बताया कि आने वाले समय में ट्रंप के नीतियों, मुद्रास्फीति, और ब्याज दर से एफपीआई का रुख निर्धारित होगा। साथ ही, उन्होंने भारतीय कंपनियों के तीसरी तिमाही के आय प्रदर्शन की भूमिका के महत्व को भी जानकारी दी।

# हमारे समूह पर हुए हमलों ने मजबूत बनाया : गौतम अदाणी

- अदाणी ने कहा, सपने जितने बोल्ड होंगे, उतना ही सामना कठिन होगा
- गौतम अदाणी की ये विचारधारा और संघर्ष आज के दुनिया में एक महत्वपूर्ण संदेश है
- हर हमला उन्हें और मजबूत बनाता है और हर बाधा एक सीढ़ी बना देता है

एजेंसी

**जयपुर।** राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुए इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवॉर्ड्स जगमगाई, जहां अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने अपनी विचारधारा को साझा किया। उन्होंने कहा कि हर हमला उन्हें और मजबूत बनाता है और हर बाधा एक सीढ़ी बना देता है। इस समारोह में गौतम अदाणी ने पहली बार अमेरिकी न्याय विभाग के चर्चे किए। उन्होंने दुनिया को यह दिखाया कि उनकी विचारधारा कैसे उन्हें समृद्धि की ओर ले जा रही है। गौतम अदाणी ने समूह के खिलाफ शॉर्ट-सेलिंग का भी उदाहरण दिया, जो दिखाता है कि उनकी संघर्षमय यात्रा में किसी भी चुनौती का कैसे सामना किया गया है। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बनाए रखने का प्रमाण दिया। उन्होंने ध्यान दिया कि सपने जितने बोल्ड होंगे, उतना ही सामना कठिन होगा परंतु उन्हें आगे बढ़ने के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। गौतम अदाणी की ये विचारधारा और संघर्ष आज के दुनिया में एक महत्वपूर्ण संदेश है, जो हमें यह सिखाते हैं कि उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए हर मुश्किल का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इन वर्षों में मैं यह स्वीकार करता आया हूं कि जिन बाधाओं का हम सामना करते हैं, वे (दूसरों से) आगे होने की कीमत हैं। आपके सपने जितने बोल्ड होंगे, दुनिया आपको उतना ही अधिक परखेगी। लेकिन आपको आगे बढ़ने, यथास्थिति को चुनौती देने और एक ऐसा रास्ता बनाने का साहस मिलना चाहिए जिस पर पहले कभी कोई न चला हो। पायनियरिंग करने का अर्थ है अज्ञात को अपनाना, सीमाओं को तोड़ना और अपने दृष्टिकोण पर तब भी विश्वास करना जब दुनिया इसे अभी तक नहीं समझ पाई हो।

## नैसकॉम ने लॉन्च की प्लेबुक, एआई जोखिम को कम करने में करेगी मदद

एजेंसी

**नई दिल्ली।** नैसकॉम ने भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए डेवलपर्स प्लेबुक लॉन्च की है। यह प्लेबुक डेवलपर्स को देश में एआई डेवलपमेंट, स्थापना और इस्तेमाल को लेकर जोखिमों की पहचान कर उन्हें कम करने में मदद करेगी। नई दिल्ली में कॉन्फ्लुएंस फॉर रिस्पॉन्सिबल इंटेलिजेंस (आरआईसीओएन) के उद्घाटन अवसर पर लॉन्च की गई प्लेबुक एआई रिस्क मैनेजमेंट लैंडस्केप को नेविगेट करने में डेवलपर्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बीच आई है। प्लेबुक भारत सरकार और नैसकॉम के एक साथ सहयोग से एआई से जुड़े जोखिमों की पहचान करने और उन्हें कम करने के लिए एक इंडस्ट्री फ्रेमवर्क की स्थापना को लेकर अहम है। आईटी इंडस्ट्री बॉडी ने कहा कि उद्योग, सरकार, शिक्षा और नागरिक समाज के भारतीय और अंतरराष्ट्रीय विषय विशेषज्ञों और हितधारकों के एक समूह ने प्लेबुक की कठोर समीक्षा और सत्यापन किया है। यह जिम्मेदार एआई के लिए एक संतुलित और अच्छी तरह से समर्थित दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो देश के हितों और सामाजिक कल्याण के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अभिषेक सिंह ने कहा कि यह प्लेबुक इनोवेटर्स को संभावित जोखिमों की पहचान करने, बेस्ट प्रैक्टिस के साथ तालमेल बैठाने और एआई विकास और स्थापना के लिए जिम्मेदार एआई पद्धतियों को अपनाने के लिए जरुरी मार्गदर्शन प्रदान करती है। इंडिया एआई मिशन के सीईओ सिंह ने कहा कि प्लेबुक सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के रिस्क मैनेजमेंट फ्रेमवर्क में सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करती है। प्लेबुक डेवलपर्स को प्रैक्टिकल फ्रेमवर्क के साथ एआई के सिद्धांतों को लागू करने में मददगार साबित होगी।

## रेवफिन का पांच वर्षों में 20 लाख वाहन वित्तपोषित करने का लक्ष्य : सीईओ

- कंपनी ने लगभग 20,000 करोड़ रुपये का कर्ज लेने का निर्णय किया
- 18 महीनों में पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने की योजना बना रही है

एजेंसी

**नई दिल्ली।** डिजिटल वाहन फाइनेंस कंपनी रेवफिन ने घोषित किया है कि उनका मुख्य लक्ष्य है अगले पांच वर्षों में 20 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों को वित्तपोषित करना। कंपनी के संस्थापक और सीईओ समीर अग्रवाल ने इस उद्देश्य को पाने के लिए लगभग 20,000 करोड़ रुपये का कर्ज लेने का निर्णय किया है। रेवफिन ने मार्च 2026 तक अपने लक्ष्य के हिसाब से लगभग 5,000 करोड़ रुपये का कर्ज देने का भी निर्णय किया है। कंपनी का प्रमुख ध्यान इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों के वित्तपोषण पर है। अग्रवाल ने बताया कि कंपनी इक्विटी के जरिये अगले 18 महीनों में पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। अब तक रेवफिन ने लगभग 75,000 वाहनों को वित्तपोषित किया है और इसका अनुमान है कि इस साल के अंत तक लगभग 25,000 वाहनों को और वित्तपोषित किया जाएगा। अग्रवाल ने बताया कि रेवफिन ने कुल 1,000 करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज दिए हैं, और उनमें से लगभग 400 करोड़ रुपये केवल इस वर्ष जारी किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी ने अगले 18 महीनों में ऋण वितरण को 1,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है।

## बढ़ी कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत

एजेंसी

**नई दिल्ली।** एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर बढ़ोतरी हो गई है। सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमत आज से ही लागू भी हो गई है। ये बढ़ोतरी 19 किलोग्राम के कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत में हुई है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में लगातार पांचवें महीने बढ़ोतरी की गई है। बढ़ी हुई कीमत के अनुसार अब कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 1,802 रुपये से बढ़ कर 1,818.50 रुपये हो गई है। दिल्ली की तरह देश के अन्य हिस्सों में भी कॉमर्शियल सिलेंडर आज से बढ़ी हुई कीमत पर मिल रहा है। दिल्ली के अलावा अन्य मेट्रो शहरों में से कोलकाता में 19 किलोग्राम वाला एलपीजी गैस सिलेंडर 1,911.50 रुपये से बढ़ कर 1,927 रुपये का हो गया है। इसी तरह मुंबई में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1,754.50 रुपये से बढ़ कर 1,771 रुपये हो गई है। चेन्नई में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1,964.50 रुपये से बढ़ कर 1,980.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में जहां पांचवीं बार बढ़ोतरी हुई है, वहीं 14.2 किलोग्राम वजन वाले घरेलू गैस सिलेंडर यानी रसोई गैस की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है?। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में आखिरी बार पिछले साल अगस्त में बदलाव किया गया था। उस समय रसोई गैस की कीमत 100 रुपये प्रति सिलेंडर कम हुई थी।

## न्यूज स्कोर पर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस शीर्ष पर कायम

एजेंसी

**मुंबई।** राजस्व, लाभ, बाजार मूल्य और सामाजिक प्रभाव के हिसाब से रिलायंस इंडस्ट्रीज मीडिया में भारत की सबसे अधिक विजिबिलिटी वाली कंपनी है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया कि मीडिया में रिलायंस की विजिबिलिटी भारत की अग्रणी एफएमसीजी या बैंकिंग और वित्त कंपनियों की तुलना में काफी अधिक है। साल 2024 के लिए न्यूज स्कोर पर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस ने 100 में से 97.43 अंक हासिल किए। साल 2023 में यह 96.46, 2022 में 92.56 और 2021 में 84.9 था। कंपनी लगातार टॉप पर बनी हुई है और इसकी विजिबिलिटी बढ़ रही है। दरअसल विजीकी का न्यूज स्कोर खबरों की संख्या, शीर्षक उपस्थिति, प्रकाशनों की पहुंच और पाठकों की संख्या के आधार पर निर्धारित होता है। रिलायंस विजीकी की स्थापना के बाद पिछले पांच वर्षों से वार्षिक रैंकिंग में शीर्ष पर कायम है। विजीकी रैंकिंग में रिलायंस की रैंकिंग 97.43 के न्यूज स्कोर के साथ बाकी कंपनियों से ऊपर रही।

## मांग कमजोर रहने के कारण तेल-तिलहन के दामों में गिरावट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** विदेशी बाजारों में तेजी के रुख के बीच देश में सोयाबीन, सूरजमुखी और कपास के हाजिर दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से लगभग 10-15 प्रतिशत कमजोर रहने की वजह इन तिलहनों की आवक घटने के कारण बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन बाजार में सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। मूंगफली की आवक बढ़ने के बीच मांग कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह सरसों की आवक घटकर प्रतिदिन करीब 1.5 लाख बोरी रह गई जबकि सरसों की प्रतिदिन की खपत करीब 3.5-4 लाख बोरी की है। चूंकि अब पामोलीन तेल का दाम सरसों से अधिक हो गया है इसलिए आगे जाकर सरसों की खपत और बढ़ने जा रही है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 6,625-6,675 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 150 रुपये के सुधार के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,285-2,385 रुपये और 2,285-2,410 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 4,500-4,550 रुपये और 4,200-4,235 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम भी क्रमशः 75 रुपये, 125 रुपये और 185 रुपये सुधरकर क्रमशः 13,875 रुपये, 13,825 रुपये और 9,885 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। आवक बढ़ने और मांग कमजोर होने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट आई।

### एमएंडएम मौजूदा बिक्री नेटवर्क के जरिए ईवी बेचेगी

**नई दिल्ली।** महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने घोषणा की है कि वे अब अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को अपने मौजूदा बिक्री नेटवर्क के माध्यम से बेचेंगे। यह नई पहल का मकसद है कि ग्राहकों को एक ही स्थान पर सभी विकल्प उपलब्ध कराएं जाएं। इस उद्देश्य को पूरा करते हुए कंपनी ने दो नए इलेक्ट्रिक वाहन मॉडल - बीई 6ई और एक्सईवी 9ई का विस्तार किया है। एमएंडएम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसमें व्यापक रूप से भाग लेने की योजना बताते हुए कहा कि हम बिक्री चैनल को एक समान रखना चाहते हैं ताकि ग्राहक को आईसीई और ईवी के बीच चयन करने की सुविधा मिले। वे एक संवेदनशील प्रश्न के जवाब में यह भी बताते हैं कि क्या कंपनी अपने ईवी रेंज के लिए एक अलग बिक्री नेटवर्क की स्थापना करेगी।

## महिंद्रा बीई 6 इलेक्ट्रिक कार लांच

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारत में आखिरकार महिंद्रा बीई 6 इलेक्ट्रिक कार लॉन्च कर दी गई है। इसकी सीधी टक्कर टाटा कर्व ईवी से होगी, जो पहले से ही इस सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ बना चुकी है।कंपनी ने इस नई ईवी को अपने अत्याधुनिक इंग्लो प्लेटफॉर्म पर तैयार किया है। महिंद्रा बीई 6ई को बोल्ड और आकर्षक डिजाइन के साथ पेश किया गया है। कार के बोनट पर बीई का लोगो और सी-शेप डीआरएल के साथ शार्प एलईडी हेडलाइट्स इसे खास बनाते हैं। इंटीरियर में डबल इंटीग्रेटेड स्क्रीन, टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और ब्लैक-एंड-व्हाइट केबिन थीम दी गई है। इस कार की सबसे बड़ी खासियत इसकी अधिकतम रेंज है, जो 682 किलोमीटर तक है। दो बैटरी पैक विकल्प 59केडब्ल्यूएच और 79 केडब्ल्यूएच दिए गए हैं। डीसी 175केडब्ल्यू फास्ट चार्जर की मदद से यह कार मात्र 20 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है। सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, एडीएएस लेवल 2 प्लस और 360 डिग्री कैमरा शामिल हैं। इसकी शुरूआती कीमत 18.90 लाख रुपये रखी गई है। महिंद्रा बीई 6ई अपनी लंबी रेंज और तेज चार्जिंग के साथ एक नया मानक स्थापित कर सकती है। वहीं, टाटा कर्व ईवी पहले से अपने फीचर्स और मूल्य के कारण बाजार में मजबूत स्थिति में है। दोनों मॉडलों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। वहीं, टाटा कर्व ईवी 502 किलोमीटर की अधिकतम रेंज और 45केडब्ल्यूएच व 55केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ आती है।

### प्री-ओन्ड गाड़ियों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि

**नई दिल्ली।** प्रमुख ऑनलाइन क्लासीफाइड्स प्लेटफॉर्म ओएलएक्स इंडिया के अनुसार, इस साल अगस्त और सितंबर की तुलना में प्री-ओन्ड गाड़ियों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि उपभोक्ता अब लक्जरी के बजाय प्रैक्टिकल और किफायती विकल्पों को तरजीह दे रहे हैं। त्योहारी सीजन में न केवल नई गाड़ियों की बिक्री को बढ़ावा दिया बल्कि पुरानी गाड़ियों के बाजार में भी जबरदस्त उछाल देखा गया। पुरानी कारों में मारुति सुजुकी ऑल्टो 800, होंडा सिटी, और हुंडई क्रेटा सबसे ज्यादा पसंद की गईं। मारुति ऑल्टो 800 ने टियर 1 शहरों में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

## होंडा की पहली इलेक्ट्रिक स्कूटर एक्टिवा- ई पेश

एजेंसी

**नई दिल्ली।** होंडा ने भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में कदम रख दिया है। कंपनी ने हाल ही में अपनी पहली इलेक्ट्रिक स्कूटर एक्टिवा- ई को पेश किया है। फिलहाल, कंपनी ने इन स्कूटरों का खुलासा किया है, जबकि कीमतों और बुकिंग की घोषणा 1 जनवरी 2025 को की जाएगी। यह स्कूटर दो वेरिएंट्स एक्टिवा- ई और क्यूसीआई में उपलब्ध होगा। स्कूटर की डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू होगी। शुरूआती चरण में यह दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में उपलब्ध होगा। एक्टिवा- ई में 1.5केडब्ल्यूएच की दो स्वैपेबल बैटरियां दी गई हैं, जिन्हें होंडा मोबाइल पॉवर पेक- ई नाम दिया गया है। ये बैटरियां एक बार चार्ज होने पर 102 किलोमीटर की रेंज देती हैं। बैटरी को चार्ज करने की झंझट खत्म करने के लिए होंडा ने दिल्ली और बेंगलुरु में बैटरी स्वैपिंग स्टेशन स्थापित कर दिए हैं, और मुंबई में यह सुविधा जल्द ही शुरू होगी। स्कूटर में 6केडब्ल्यू परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस मोटर दी गई है, जो 22एनएम का पीक टॉर्क उत्पन्न करती है। एक्टिवा- ई को 12-इंच अलॉय व्हील्स, टेलिस्कोपिक फोर्क्स और डुअल स्प्रिंग सस्पेंशन के साथ पेश किया गया है। इसमें डिस्क-ड्रम कॉम्बिनेशन ब्रेकिंग सिस्टम दिया गया है। यह स्कूटर पांच आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगा: पर्ल शैलो ब्लू, पर्ल मिस्ट्री व्हाइट, पर्ल सेरेनिटी ब्लू, मैट फॉगी सिल्वर मेटालिक और पर्ल इग्नियस ब्लैक। होंडा एक्टिवा- ई अपने दमदार फीचर्स और स्वैपेबल बैटरी तकनीक के जरिए भारतीय बाजार में क्रांति लाने के लिए तैयार है।

# वैश्विक रुझानों, ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले तय करेंगे शेयर बाजारों की चाल

- कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा

एजेंसी

**मुंबई।** इस सप्ताह वैश्विक रुझानों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों और ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले शेयर बाजारों की दिशा तय कर सकते हैं। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह निवेशक ऑटो बिक्री के मासिक आंकड़ों पर भी निगाहें रहेंगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि बाजार सोमवार को 5.4 प्रतिशत की निराशाजनक जीडीपी वृद्धि पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं। आगामी आरबीआई नीति महत्वपूर्ण होगी, जिसमें ब्याज दर निर्णय और टिप्पणी, दोनों पर ही निवेशकों की नजर होगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर, भू-राजनीतिक तनाव, विशेष रूप से रूस-यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई है। भारत, अमेरिका और चीन से विनिर्माण पीएमआई जैसे महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे। विश्लेषकों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा। विनिर्माण और खनन क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कमजोर खपत के कारण चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर दो साल के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर पहुंच गई। देश हालांकि अभी भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों ने काफी उतार-चढ़ाव देखा, हालांकि सप्ताह के अंत में बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार का नजरिया भारत के विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, ब्याज दर पर फैसले, अमेरिकी एसएंडपी वैश्विक समग्र पीएमआई, विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, गैर-कृषि रोगजार के आंकड़ों जैसे प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक कारकों से प्रभावित होगा।

## देश की नौ प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 2.29 लाख करोड़ बढ़ा

**रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी बनी रही**

**नई दिल्ली।** पिछले सप्ताह देश की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में नौ का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,29,589.86 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखी गई। इसमें भारतीय जीवन बीमा निगम को सबसे अधिक लाभ हुआ। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 60,656.72 करोड़ रुपये बढ़कर 6,23,202.02 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकर 39,513.97 करोड़ रुपये बढ़कर 13,73,932.11 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 35,860.79 करोड़ रुपये बढ़कर 17,48,991.54 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 32,657.06 करोड़ रुपये बढ़कर 9,26,725.90 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 20,482 करोड़ रुपये बढ़कर 7,48,775.62 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 15,858.02 करोड़ रुपये बढ़कर 9,17,724.24 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईटीसी का मूल्यांकन भी बढ़ा। हालांकि, इंफोसिस का बाजार मूल्यांकन 18,477.5 करोड़ रुपये घटकर 7,71,674.33 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी बनी रही, जिसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

## खास खबर

### आईआईएसटी के छात्रों ने जीते कई पदक

**इन्दौर ।** आरजीपीवी राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिताएं जो कि विभिन्न स्थानों पर आयोजित की गई थी में आईआईएसटी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट्स कॉलेज के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते कई पदक हासिल किए । भोपाल में आयोजित राज्यस्तरीय स्विमिंग प्रतियोगिता में संस्थान की हर्षिता गुप्ता ने 50 मीटर बटरफ्लाई, 50 मीटर फ्री स्टाइल और 200 मीटर ओपन श्रेणी में गोल्ड मेडल जीता। श्रेया सक्सेना ने 200 मीटर फ्री स्टाइल श्रेणी में सिल्वर मेडल जीता। धैर्य वर्मा ने 400 मीटर फ्री स्टाइल श्रेणी में गोल्ड मेडल और 100 मीटर बटरफ्लाई श्रेणी में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। स्वरादित्य लश्करी ने 100 मीटर फ्री स्टाइल श्रेणी में गोल्ड मेडल और 200 मीटर फ्री स्टाइल श्रेणी में भी गोल्ड मेडल अर्जित किया। खरगोन में संपन्न आरजीपीवी डिविजनल स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिया में आयुष केवट ने 110 मीटर हर्डल और 400 मीटर रिले रेस में सिल्वर मेडल्स प्राप्त किए। वहीं आई.आई.ऐस.टी कॉलेज की टीम आरजीपीवी द्वारा आयोजित इंदौर नोडल वॉली बॉल प्रतियोगिता 2024-25 में भी विजेता रही। सफलता पर संस्थान के ग्रुप एडवाइजर अरुण एस भटनागर और डीन स्पोर्ट्स डॉ. सुखदेव बम्बोरिया ने सभी विजेताओं को बधाई दी।

### केन विलियमसन ने पूरे किए 9 हजार टेस्ट रन

**क्राइस्टचर्च ।** स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। क्योंकि वे 9,000 टेस्ट रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के पहले क्रिकेटर बने हैं। केन ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। चोट से वापसी के बाद विलियमसन ने क्राइस्टचर्च टेस्ट में दमदार प्रदर्शन किया है। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में 86 गेंदों पर 61 रन बनाए। 36वें ओवर में वह क्रिस वोक्स के हाथों आउट हुए। इससे पहले पहली पारी में कीवी बल्लेबाज ने 197 गेंदों पर 47.21 की स्ट्राइक रेट से 93 रन बनाए थे। वहीं इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। विलियमसन के 93 रन और 87 गेंदों में 6 चौकों और फिलिप्स के एक छक्के की मदद से 58 रन की पारी ने कीवी टीम को 348 रन के कुल स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इंग्लैंड के लिए ब्रायडन कार्से (4/64) और शोएब बशीर (4/69) शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। हैरी ब्रूक की 197 गेंदों में 171 रन की शानदार पारी की बदौलत इंग्लैंड ने क्राइस्टचर्च टेस्ट की पहली पारी में वापसी की। बेन स्टोक्स ने पहली पारी में 146 गेंदों में 80 रन की पारी खेलकर सहायक भूमिका निभाई। नाथन स्मिथ (3/141) और मैट हेनरी (4/84) ने कीवी गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया और श्री लायंस को 499 पर समेट दिया। केन विलियमसन (61) और डेरिल मिशेल (31) की मदद से न्यूजीलैंड तीसरे दिन 4 रन की बढ़त लेने में सफल रहा।

### यूपी रुद्रास ने हार्दिक सिंह को किया कप्तान घोषित

**लखनऊ।** स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह को हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आगामी सत्र के लिए यूपी रुद्रास ने अपना कप्तान घोषित किया है। यदु स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली यूपी रुद्रास ने एक मजबूत टीम तैयार की है, जिसमें युवा सनसनी प्रियोबर्ता तलेम, गुरजोत सिंह के साथ-साथ भारतीय और अंतरराष्ट्रीय हॉकी के कुछ दिग्गज खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जिनमें ललित कुमार उपाध्याय, सिमरनजीत सिंह, लार्स बाल्क और केन रसेल हैं। यदु स्पोर्ट्स के सह-संस्थापक माधवकृष्ण सिंघानिया ने एक बयान में यदु स्पोर्ट्स परिवार की ओर से हार्दिक को टीम का कप्तान घोषित किए जाने पर बधाई देते हुए कहा कि मौजूदा टीम में शानदार हॉकी खेलने और लोगों का दिल जीतने के लिए सभी जरूरी चीजें मौजूद हैं। हॉकी इंडिया लीग का बड़ा, बेहतर और साहसिक संस्करण वैश्विक हॉकी पावरहाउस के रूप में भारत के कद को और बढ़ाएगा और मेरा मानना ??है कि इस कद की प्रतियोगिता में भविष्य के लीडर्स को तैयार करने की क्षमता है।

# यूएसपीएल सीजन 3 : न्यू जर्सी टाइटंस को हरा न्यूयॉर्क काउबॉयज फाइनल में

एजेंसी

**फ्लोरिडा (यूएसए)।** फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में आयोजित यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) के एलिमिनेटर मुकाबले में कप्तान जेक लिंटॉट ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम को फाइनल में जगह दिलाई। करो या मरो के इस गेम में न्यूयॉर्क काउबॉयज ने न्यू जर्सी टाइटंस को 30 रनों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ काउबॉयज ने फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है, जहां उनका सामना टॉप पर मौजूद मैरीलैंड मेवरिक्स के साथ होगा।

तीन हार के साथ टूर्नामेंट की शुरूआत करने वाले न्यूयॉर्क काउबॉयज ने असाधारण खेल दिखाते हुए लगातार 4 मुकाबले जीतकर ट्रॉफी की मजबूत दावेदारी पेश की है।

न्यूयॉर्क काउबॉयज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ताबड़तोड़ शुरूआत की और मुख्तार अहमद की 41 गेंदों में 59 रन की शानदार पारी की बदौलत पावरप्ले में 63 रन बोर्ड पर लगा दिए। जिसके बाद पारी कुछ लड़खड़ाई, लेकिन अंत में परवीन कुमार के 13 गेंदों में महत्वपूर्ण 19 और कप्तान लिंटॉट के 10 रनों ने टीम को 9 विकेट के नुकसान पर 152 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा दिया। लक्ष्य का पीछा करने के दौरान, जब न्यू जर्सी टाइटंस को 18 गेंदों पर 36 रनों की आवश्यकता थी। तब कप्तान लिंटॉट ने 18वें ओवर की जिम्मेदारी खुद उठाई और जैसा वह चाहते थे वैसा ही हुआ। जहां इस ओवर के पहले तक टाइटंस का स्कोर 117/5 था, वहीं इस ओवर के बाद टीम 119/9 के स्कोर पर पहुंच गई और 19वां ओवर खत्म होते-होते 122 रनों पर धराशाई हो गई। काउबॉयज के लिए जेक लिंटॉट और परवीन कुमार दोनों ने ही शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट झटके।

## अभी से गंभीर की कोचिंग का आंकलन न करें : अजय जडेजा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने कहा है कि गंभीर को कोच बने अभी कुछ ही समय हुआ है। ऐसे में अभी से ही उनकी कोचिंग का आंकलन करना ठीक नहीं होगा। भारतीय टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली 0-3 की हार के बाद से गंभीर आलोचना का सामना कर रहे हैं। जडेजा ने गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि इतने कम समय में किसी के प्रदर्शन का आंकलन करना सही नहीं है। गंभीर ने अपने कार्यकाल की शुरूआत श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के साथ की थी पर इसके बाद टीम को उस दौरे पर एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने इसके बाद टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश को 2-0 से पर हराया पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 ये

मिली करारी हार के बाद से ही गंभीर पर सवाल उठने लगे। जडेजा ने कहा कि किसी के प्रदर्शन का आंकलन पर्याप्त समय में ही करें। हमें इस समय उनका मूल्यांकन करने की जगह खेल का आनंद उठाना चाहिए। पर्थ में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की बड़ी जीत से टीम का उत्साह बढ़ा है। जडेजा ने कहा कि हर किसी के साथ उतार-चढ़ाव आते हैं, कभी आप जीतते हैं और कभी आप हारते हैं।

## न्यूजीलैंड की टीम डब्लयूटीसी की रेस से बाहर

एजेंसी

**मुम्बई ।** न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली हार के साथ ही आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) की रेस से बाहर हो गयी है। न्यूजीलैंड टीम के बाहर होने के साथ ही भारतीय क्रिकेट टीम की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज के बाद स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट हो पाएगी। पांच मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला जीतकर भारत ने फाइनल की अपनी दावेदारी और बेहतर की है। वहीं इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के

बीच खेली जा रही सीरीज पर सबकी नजर थी जहां न्यूजीलैंड की करारी हार से भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों को लाभ हुआ है। टूनार्मेंट में अभी भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका रेस में शामिल है। न्यूजीलैंड की टीम को इंग्लैंड से मिली पहले टेस्ट मैच की हार ने फाइनल की दौड़ से बाहर कर दिया है। 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच इंग्लिश टीम ने 8 विकेट से जीतकर न्यूजीलैंड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। फाइनल में जगह बनाने के लिए न्यूजीलैंड की टीम को इंग्लैंड के खिलाफ तीनों ही टेस्ट मैच में जीत हासिल करना था। पहला मुकाबला हारने के बाद अब वह आखिरी दो मैच जीतकर भी उसके लिए फाइनल में जगह बनान संभव नहीं है। इस समय भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष पर कायम है। उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचे हुए 4 मैच में से कम से कम तीन में जीत चाहिए। वहीं ऑस्ट्रेलिया को भारत के अलावा श्रीलंका के खिलाफ भी सीरीज में खेलना है। उसे अपने बचे हुए 6 मैच में से 4 में जीत चाहिए।

## दूरदर्शन ने हॉकी इंडिया लीग के साथ की साझेदारी

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** भारत के राष्ट्रीय प्रसारक दूरदर्शन (डीडी) ने हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के साथ साझेदारी की है, ताकि देशभर के लाखों दर्शकों तक इस रोमांचक टूनार्मेंट का प्रसारण किया जा सके। यह साझेदारी खास है क्योंकि इस बार की लीग महिला हॉकी इंडिया लीग के उद्घाटन सत्र के साथ-साथ पुरुष प्रतियोगिता का भी प्रतीक होगी। एचआईएल 28 दिसंबर से शुरू होगा, और यह टूनार्मेंट भारतीय हॉकी के एक ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनेगा। इस साल के संस्करण में आठ पुरुष टीमें और चार महिला टीमें भाग लेंगी, जो राउरकेला और रांची में प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस टूनार्मेंट में भारत और

दुनिया भर के शीर्ष हॉकी खिलाड़ी अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। महिला हॉकी इंडिया लीग को शामिल करना हॉकी इंडिया की लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है, साथ ही यह महिला हॉकी को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करने का भी संकेत है। प्रसार भारती के चेयरमैन नवनीत सहगल ने इस साझेदारी के महत्व को बताया, हमें गर्व है कि प्रसार भारती हॉकी इंडिया लीग के साथ जुड़ा है। यह मंच हमारे राष्ट्रीय खेल का जश्न मनाता है और विभिन्न श्रेणियों के दर्शकों को जोड़ता है। हमारा उद्देश्य हॉकी की रोमांचक भावना को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाना है, जिसमें महिला एचआईएल का ऐतिहासिक डेब्यू भी शामिल है।

## सब जूनियर बालक-बालिका सेपकटकरा सलेक्शन ट्रायल का आयोजन

एजेंसी

**रांची ।** रविवार को जयपाल सिंह स्टेडियम रांची में प्रातः 9:00 बजे से सब जूनियर बालक-बालिका सेपकटकरा सलेक्शन ट्रायल का आयोजन किया गया। इस चयन ट्रायल में झारखण्ड राज्य के विभिन्न जिलों के तकरीबन 100 खिलाड़ियों ने भाग लिया. इस ट्रायल के आधार चयनित खिलाडी आगामी 27वी नेशनल सब जूनियर सेपकटकरा प्रतियोगिता में भाग लेंगे. इसकी जानकारी देते हुए एसोसिएशन के सचिव श्री उदय साहू ने बताया की आज के इस चयन ट्रायल का आयोजन श्री अमरेंद्र दत्त द्विवेदी को देखरेख में आयोजित हुआ. इनके साथ साथ गोपाल मुंडा, राजकुमार महतो, रौनक कुमार का सहयोग रहा.इस अवसर पर सेपकटकरा एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के कोषाध्यक्ष शिवेंद्र दुबे, रौनक कुमार, संतोष कुमार गुप्ता ।

## आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर अभी भी संशय

**नई दिल्ली ।** आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी को लेकर चल रहा विवाद बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तान को मेगा टूनार्मेंट की मेजबानी दी गई थी, न केवल मेजबानी खो सकता है, बल्कि खुद टूनार्मेंट से भी बाहर हो सकता है। शुक्रवार, 29 नवंबर को आईसीसी द्वारा आयोजित बैठक में टूनार्मेंट के आयोजन को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ। बीसीसीआई ने भारतीय टीम को सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान भेजने से इंकार कर टूनार्मेंट को हाइब्रिड मॉडल में आयोजित करने की मांग की है। दरअसल हाइब्रिड मॉडल के तहत भारतीय टीम के मैच पाकिस्तान के बजाय किसी अन्य तटस्थ देश में कराए जाएंगे। वहीं, टूनार्मेंट के बाकी मैच पाकिस्तान में आयोजित किए जा सकते है।

## आईसीसी चेयरमैन के रूप में जय शाह ने की अपने कार्यकाल की शुरूआत

एजेंसी

**दुबई।** भारतीय क्रिकेट को नई ऊचाइंयों पर पहुंचाने में अहम योगदान देने के बाद जय शाह ने रविवार यानी 1 दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन के रूप में अपने कार्यकाल की शुरूआत कर दी है। वह ग्रेग बार्कले का स्थान लेंगे। बार्कले नवंबर 2020 से इस पद पर थे। जय शाह इस साल अगस्त में आईसीसी के निर्विरोध चेयरमैन चुने गए थे। आईसीसी ने रविवार को इस बात की जानकारी दी। आईसीसी चेयरमैन के रूप में जय शाह ने अपने पहले वक्तव्य में अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित किया, जिसमें लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल करने और महिला खेल के विकास में और तेजी लाना शामिल है। शाह ने एक बयान में कहा कि

मैं आईसीसी चेयरमैन की भूमिका के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं और आईसीसी निदेशकों और सदस्य बोर्डों के समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हूं। उन्होंने कहा कि यह खेल के लिए एक रोमांचक समय है क्योंकि हम लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों की तैयारी कर रहे हैं और दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए क्रिकेट को अधिक समावेशी और आकर्षक बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हम कई प्रारूपों के सह-अस्तित्व और महिलाओं के खेल के विकास में तेजी लाने की आवश्यकता के साथ एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में वैश्विक स्तर पर अपार संभावनाएं हैं और मैं इन अवसरों का लाभ उठाने तथा खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आईसीसी टीम और सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। शाह ने पिछले चार वर्षों में आईसीसी की उपलब्धियों में बार्कले के योगदान की सहारना की। उन्होंने कहा कि मैं पिछले चार वर्षों में इस पद पर उनके नेतृत्व के लिए तथा इस अवधि के दौरान हासिल की गई उपलब्धियों के लिए ग्रेग बार्कले को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं वैश्विक मंच पर खेल की पहुंच और विकास का विस्तार करने के लिए आईसीसी टीम और सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। जय शाह क्रिकेट प्रशासन में व्यापक अनुभव रखते हैं। उन्होंने 2009 में गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के साथ अपना सफर शुरू किया था। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने अहमदाबाद में दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम के विकास की देखरेख की। 2019 में शाह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) में शामिल हुए और बीसीसीआई के सबसे युवा सचिव बने। उन्होंने एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष और आईसीसी की वित्त एवं वाणिज्यिक मामलों की समिति के अध्यक्ष के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

## अपने भविष्य को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकता : मेसी

एजेंसी

**ब्यूनस आयर्स ।** अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने कहा है कि मैंने अभी तक अपने भविष्य और संन्यास को लेकर कुछ तय नहीं किया है, इसलिए इस मामले में कुछ नहीं कह सकता। फीफा विश्व कप 2026 के लिए दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में बोलिविया के खिलाफ अपनी टीम की 6-0 की जीत में मेसी की अहम भूमिका रही है। मेसी ने इस मैच में अर्जेंटीना की ओर से 10वीं अंतरराष्ट्रीय हैट्रिक लगायी। इस दौरान मेसी ने कहा कि जब भी वह राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलते हैं तो उन्हें बेहद खुशी होती है।

मेसी ने कहा, यहां आकर हमारे लिए लोगों का समर्थन महसूस करके बहुत अच्छा लग रहा है। जिस तरह से लोग मेरा नाम पुकारते हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं। हम सभी लोगों के साथ जुड़ाव का आनंद लेते हैं और हमें अर्जेंटीना में खेलना बहुत पसंद है। हम इस जीत से उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपने भविष्य के लिए कोई तिथि या समय सीमा तय नहीं की है, मैं बस इसका आनंद लेना चाहता हूं। मैं यहां आकर और लोगों का प्यार महसूस कर-के पहले से कहीं अधिक उत्साहित हूं, क्योंकि मुझे पता है कि ये मेरे आखिरी खेल हो सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं क्लब में साल का अंत अच्छे से करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लूंगा और फिर हर दिन का आनंद ले पाऊंगा। मेसी अपने देश की ओर से शीर्ष स्कोरर भी बन गए हैं, जिन्होंने 189 मैचों में 112 गोल किए हैं। सीनियर टीम की ओर से उन्होंने पहला गोल 1 मार्च, 2006 को बेसल में क्रोएशिया के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में किया था। अर्जेंटीना फुटबॉल वेबसाइट के अनुसार, नेशनल टीम के लिए उनके आधे से अधिक गोल आधिकारिक थे।

## सुमन ने लिए एक पारी में सभी 10 विकेट

एजेंसी

**मुम्बई ।** यहां जारी कूच बेहार अंडर-19 टूनार्मेंट में बिहार के एक युवा गेंदबाज सुमन कुमार ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। सुमन ने एक पारी में सभी 10 विकेट लिए हैं। सुमन ने राजस्थान के खिलाफ मुकाबले में सभी विकेट लिए। इस दौरान सुमन ने हैट्रिक भी लगायी। उन्होंने 36वें ओवर में मोहित भागतानी, अनस और सचिन शर्मा को लगातार तीन गेंदों पर आउट कर हैट्रिक पूरी की। इसी

**कूच बेहार अंडर-19 टूर्नामेंट**

के साथ ही इस गेंदबाज ने इस सत्र में अपने 22 विकेट पूरे किये हैं। भारत के घरेलू टूनार्मेंट में ये दूसरी बार है जब किसी गेंदबाज ने एक पारी में सभी 10 विकेट लिए हैं। सुमन से पहले हरियाणा के अंशुल कंबोज ने रणजी ट्रॉफी में केरल के खिलाफ ये काम किया था। बिहार ने इस मैच में पहली पारी में 467 रन बनाये। इसमें दिपेश गुप्ता के नाबाद 183, पृथ्वी राज के 128 रनों का अहम योगदान रहा। इसके जबाव में राजस्थान की टीम 182 रनों पर सही सिमट गयी । सुमन ने अकेले ही पूरी राजस्थान टीम को तीसरे दिन आउट कर दिया। । राजस्थान को फॉलोऑन मिला और उसने तीसरे दिन का अंत दो विकेट के नुकसान पर 173 रनों के साथ किया।

# अश्विन युवा खिलाड़ियों की करते हैं मदद

- भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने की सीनियर-जूनियर की तुलना

एजेंसी

**कैनबरा।** भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने कहा कि विश्व में ऐसी कई टीमें हैं जिसमें सीनियर खिलाड़ी जूनियर्स को प्लेइंग 11 में खेलता देख सहन नहीं कर पाते हैं, लेकिन टीम इंडिया में ऐसा नहीं है क्योंकि हमारे पास रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे वरिष्ठ खिलाड़ी हैं। जडेजा और अश्विन के नाम 855 टेस्ट विकेट हैं। दोनों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में पहले टेस्ट मैच की अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया

गया था। नायर ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ भारत के दो दिवसीय अभ्यास मैच से पहले कहा कि यह तब मुश्किल होता है जब आपके पास ऐसे सीनियर खिलाड़ी हों जो यह बात नहीं समझते, लेकिन जब आपके पास जडेजा और अश्विन जैसे खिलाड़ी हों जो समझते हैं कि टीम क्या करने की कोशिश कर रही है तो यह बहुत आसान हो जाता है क्योंकि टीम की प्रथम नीति पर रोहित और गंभीर पर विश्वास करते हैं। नायर का मानना है कि पूरी टीम रोहित और गंभीर की रणनीति के अनुसार चलती है जिसमें ये दो महान स्पिन खिलाड़ी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वे सभी इसे अपना चुके हैं। इसलिए मुझे बहुत खुशी हुई कि जडेजा और अश्विन युवा खिलाड़ियों की मदद करने जा रहे हैं ताकि वे यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकें। उन्हें समझाना बहुत मुश्किल नहीं था और हर कोई चाहता है कि टीम इंडिया जीते। स्पिनरों को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा लगता है कि क्रिकेट के खेल में किसी की भी भूमिका कम नहीं होती, फिर चाहे आप स्पिनर हों या तेज गेंदबाज, आपके पास हमेशा मौका होता है। उन्होंने कहा कि योजनाएं कई बार बदल सकती हैं। आप गेंद कैसे छोड़ते हैं और किस गति से करते हैं, इसमें बदलाव हो सकता है। यही वजह है कि आप गुलाबी गेंद के साथ तैयारी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि लाल गेंद की तुलना में यह थोड़ी ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो और मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि आपने गुलाबी गेंद से उतनी गेंदबाजी नहीं की, लेकिन मेरा मानना है कि किसी भी शीर्ष स्तर के स्पिनर के पास मौका होगा।

बीजिंग में योमादा रियो आईएसयू विश्वकप स्पीड स्केटिंग में भाग लेती हुई जापान की यामादा रियो।

समय तेजी से करवट ले रहा है तथा लोगों के जीवन में जटिलताएं भी निरंतर बढ़ती जा रही हैं। परेशानी एवं जटिलता भरे इस माहौल में भी लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति तथा अपने खान-पान एवं परहेज संबंधित समस्याओं को लेकर जागरूक हैं तथा इनके समाधान के लिए आतुर रहते हैं। उनकी तमाम समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं न्यूट्रीशनिस्ट।

### स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखता है

# न्यूट्रीशनिस्ट

एक सामान्य जीवन व्यतीत करने वाले नागरिक से लेकर खिलाड़ियों के लिए जरूरी फूड सप्लिमेंट तक का उपाय इन्हीं न्यूट्रीशनिस्टों के जरिए होता है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि न्यूट्रीशन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए फूड एवं अन्य पदार्थों को नियंत्रित करने का विज्ञान है। आज यह अपनी उपयोगिता के चलते नये प्रोफेशन का रूप अख्तियार कर चुका है। एक न्यूट्रीशनिस्ट का काम जीवन के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए खान-पान के तौर-तरीकों तथा अच्छे स्वास्थ्य के मद्देनजर जरूरी चीजों को बढ़ावा देना होता है। यह सारी क्रियाविधि मनुष्य की उम्र पर निर्भर करती है। इसके अलावा उनके रूटीन, बीमारी तथा कार्य के स्वरूप को देखते हुए खाद्य पदार्थों की रूपरेखा तय की जाती है। यह सुखद संकेत है कि न्यूट्रीशन के सिद्धांतों एवं परिकल्पनाओं के जरिए लोगों के अंदर व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। न्यूट्रीशनिस्ट अपने ज्ञान एवं शोधों के द्वारा खाद्य पदार्थों की सूची तैयार करता है तथा उस आधार पर उसे हॉस्पिटल, फिजिकल ट्रेनिंग कैम्प, पर्वतारोहियों आदि के लिए निर्धारित करता है। इन खाद्य पदार्थों में विटामिंस, मिनरल्स, आयरन आदि होते हैं, जो मनुष्य के लिए आवश्यक होते हैं। पाचन क्रिया के अध्ययन व शोधों से यह पता चला है कि शरीर में अधिकांश रिएक्शन एवं शारीरिक परेशानियां संतुलित आहार न लेने से होती हैं। इन बीमारियों में डायबिटीज, लीवर व पेट संबंधी समस्याएं शामिल हैं। यदि ये न्यूट्रीशनिस्ट किसी प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग संस्थान में कार्यरत हैं तो वे अपनी प्लानिंग एवं शोधों के जरिए नए उत्पाद के सृजन की कोशिश करते हैं। वास्तव में ये न्यूट्रीशनिस्ट स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

## बारहवीं के बाद रखें कदम

न्यूट्रीशन के फील्ड में जो भी करियर ऑप्शन हैं, वे ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट बनने के बाद ही सामने आते हैं। इसके लिए लोगों को होम साइंस, न्यूट्रीशन, फूड साइंस/ टेक्नोलॉजी से संबंधित कोर्स करने अनिवार्य हैं। बैचलर कोर्स (न्यूट्रीशन एवं डायटीशियन) के लिए छात्र को विज्ञान विषयों (फिजिक्स, कैमिस्ट्री, होम साइंस एवं बायोलॉजी) में पास होना अनिवार्य है। तभी बीएससी इन होम साइंस तथा अन्य बैचलर प्रोग्राम जैसे फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेडिसिन, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी से संबंधित अन्य विषयों को भी शामिल किया जाता है। कुछ ऐसे भी संस्थान हैं जो 10+2 के पश्चात चार वर्षीय फूड टेक्नोलॉजी कोर्स कराते हैं, जबकि पोस्ट ग्रेजुएट लेवल पर न्यूट्रीशन का डायटीशियन से संबंधित कोर्स या तो दो वर्ष का है या फिर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (1 वर्षीय) के रूप में है। पीजी तथा पीजी डिप्लोमा कोर्स करने के लिए फूड साइंस, होम साइंस, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, बायो कैमिस्ट्री तथा मेडिसिन में बैचलर होना आवश्यक है। एमएससी इन होम साइंस भी इसी स्तर पर किया जाता है। इसके बाद पीएचडी का रास्ता खुलता है।

## सिलेबस भी है कुछ खास

न्यूट्रीशन से संबंधित कोर्सों का सिलेबस काफी फैला हुआ तथा रुचिकर है। स्कूली स्तर से लेकर मास्टर एवं रिसर्च लेवल तक का पाठ्यक्रम बताता है कि स्कूलों में न्यूट्रीशन प्रोग्राम के अंतर्गत स्वस्थ खाना एवं उसके फायदे, स्वास्थ्य की जरूरत, मेन्यू डिजाइनिंग, बच्चों में फैट की मात्र, कुकिंग वर्कशॉप तथा प्रकृति के प्रति सहानुभूति दर्शाई जाती है। इसी तरह से एमएससी होम साइंस के सिलेबस में बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन संबंधी रिसर्च, फिजियोलॉजी, बायोस्टेटिस्टिक, मनुष्य की न्यूट्रीशन की आवश्यकता, माइक्रोबायोलॉजी, प्रिंसिपल ऑफ फूड साइंस के अलावा अंतिम वर्ष तक ह्यूमन न्यूट्रीशन एंड डायटेक्टिक, इंस्टीटयूशनल मैनेजमेंट एवं फूड साइंस शामिल किया जाता है, जबकि एक वर्षीय डिप्लोमा इन डायटेक्टिस एंड पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन (डीडीपीएचएन) के अंतर्गत तीन माह की कंपलसरी इंटर्नशिप दी जाती है। यह इंटर्नशिप किसी हॉस्पिटल या योग्य डायटीशियन के अंडर कराई जाती है। इसमें बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन, अप्लाइड फिडियोलॉजी, फूड माइक्रो बायोलॉजी, एडमिनिस्ट्रेशन, थिरैप्टिक न्यूट्रीशन तथा पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन आते हैं।

## खान-पान में अभिरुचि जरूरी

एक अच्छे न्यूट्रीशनिस्ट की रुचि खानपान एवं उसे तैयार करने में अवश्य होनी चाहिए। तभी वह इस फील्ड की बारीकियों को समझ पाएगा। समूह में अथवा व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को अपने बोलने की कला से बांधे रखने (कम्युनिकेशन स्किल्स), विभिन्न रिपोर्ट तैयार करने का कौशल तथा पोस्टर, बैनर लिखने संबंधी ज्ञान भी कदम-दर-कदम काम आता है। उनकी वाणी में मिठास हो तथा मरीज के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाने की कला जानते हों। किसी भी संगठन के लिए प्लानिंग एवं इनके प्रशासनिक कार्यों को संभालने के साथ ही शारीरिक रूप से फिट तथा एक टीम लीडर की भांति काम करने का जज्बा सफलता का पैमाना तय कर सकता है। विज्ञान में अभिरुचि तथा उत्तरदायित्व जैसे गुणों को भी एक न्यूट्रीशनिस्ट के अंदर परखा जाता है।

## क्या काम है न्यूट्रीशनिस्ट का

एक न्यूट्रीशनिस्ट का कार्य क्षेत्र काफी फैला हुआ है। फूड की प्लानिंग, न्यूट्रीशन प्रोग्राम तैयार करने, बीमारियों तथा जंक फूड से बचाने, पोषक गुणों से युक्त खाना खाने को प्रेरित करने से लेकर फूड सर्विस सिस्टम को प्रमुख संस्थानों जैसे स्कूल, हॉस्पिटल आदि जगहों पर प्रमोट करने संबंधी सभी कार्य इनके जिम्मे होते हैं। कुछ प्रमुख कार्य क्षेत्र इस प्रकार हैं-

**क्लीनिकल डाइटीशियन**- इनका कार्य किसी हॉस्पिटल, नर्सिंग केयर सेंटर अथवा अन्य संस्थानों में मरीजों को न्यूट्रीशन से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराना है। वे पता लगाते हैं कि मरीज को न्यूट्रीशन की कितनी आवश्यकता है तथा उसे किस रूप में इसे दिया जा सकता है। इसके बाद मिलने वाले परिणामों तथा डॉक्टर के साथ न्यूट्रीशन संबंधित आश्यकताओं पर चर्चा करते हैं।

**कम्युनिटी डाइटीशियन** - इनकी प्रमुख भूमिका व्यक्तिगत अथवा समूह के रूप में हैल्थ को बढ़ावा देने के लिए न्यूट्रीशन प्रैक्टिस को कारगर बनाना है। इनके काम करने का स्थान मुख्यतः पब्लिक हैल्थ क्लीनिक, होम हैल्थ एजेंसी तथा हैल्थ मेंटीनेंस ऑर्गेनाइजेशन है। कम्युनिटी डाइटीशियन किसी भी व्यक्ति अथवा उसके परिवार की डाइट को समझने, न्यूट्रीशन केयर प्लान तैयार करते हैं।

**मैनेजमेंट डाइटीशियन** - ये किसी भी कंपनी, स्कूल, कैफिटेरिया अथवा बड़े पैमाने पर हैल्थ केयर से संबंधित सुविधाओं की प्लानिंग करते हैं तथा उन्हें तैयार भी करते हैं। इसके लिए वे सीधे तौर पर या कड़ी के रूप में डाइटीशियन, फूड सर्विस वर्कर को अनुबंधित करते हैं। बजट, जरूरी उपकरणों, गुलेशन आदि कार्य भी इन्हीं के जिम्मे होता है।

**कंसल्टेंट डाइटीशियन** - ये प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए लोगों को हैल्थ केयर सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। ये अपने क्लाइंट्स को वेट कम या अधिक करने, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखने जैसे कार्यों की स्क्रीनिंग करते हैं। कुछ तो वेलनेस प्रोग्राम, स्पोर्ट्स टीम, सुपर मार्केट एवं अन्य न्यूट्रीशन से संबंधित बिजनेस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

**कोचिंग संस्थान** - न्यूट्रीशनिस्ट के लिए कोई कोचिंग सेंटर जैसी संस्था नहीं है। इसके लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट जगह-जगह वर्कशॉप, सेमिनार का आयोजन कर पेशे तथा इस फील्ड के प्रति जागरुकता फैलाते हैं। विदेशों में इससे संबंधित कई कोचिंग सेंटर कार्यरत हैं। छात्र अपनी जिज्ञासा के समाधान के लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट या काउंसलर की मदद ले सकते हैं।

**स्कॉलरशिप** - कई प्रमुख संस्थान छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं। इनमें कुछ तो कोर्स के दौरान प्रदान की जाती हैं तो कुछ पीएचडी के दौरान जेआरएफ के रूप में दी जाती हैं। नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ न्यूट्रीशन, हैदराबाद द्वारा हर साल 7-10 छात्रों को जेआरएफ प्रदान की जाती है। इसके अलावा अधिकांश संस्थान अपने छात्रों को स्कॉलरशिप अथवा फीस में छूट संबंधी सुविधाएं प्रदान करते हैं।

**वेतन** - मुख्य तौर पर एक न्यूट्रीशनिस्ट का वेतन उसके कार्य एवं कार्य-क्षेत्र पर निर्भर करता है। फिर भी किसी प्राइवेट हॉस्पिटल में बतौर ट्रेनी-न्यूट्रीशनिस्ट ज्वॉइन करने पर 5,000 रु. प्रति माह तथा एक से दो साल का अनुभव होने पर 10,000-12,000 रुपए हर महीने मिलते हैं। जो प्रोफेशनल फील्ड, टीचिंग एवं फूड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में काम करते हैं, उन्हें आकर्षक सेलरी मिलती है, जबकि कंसल्टेंट न्यूट्रीशनिस्ट प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए पैसा व शोहरत दोनों कमा सकते हैं।

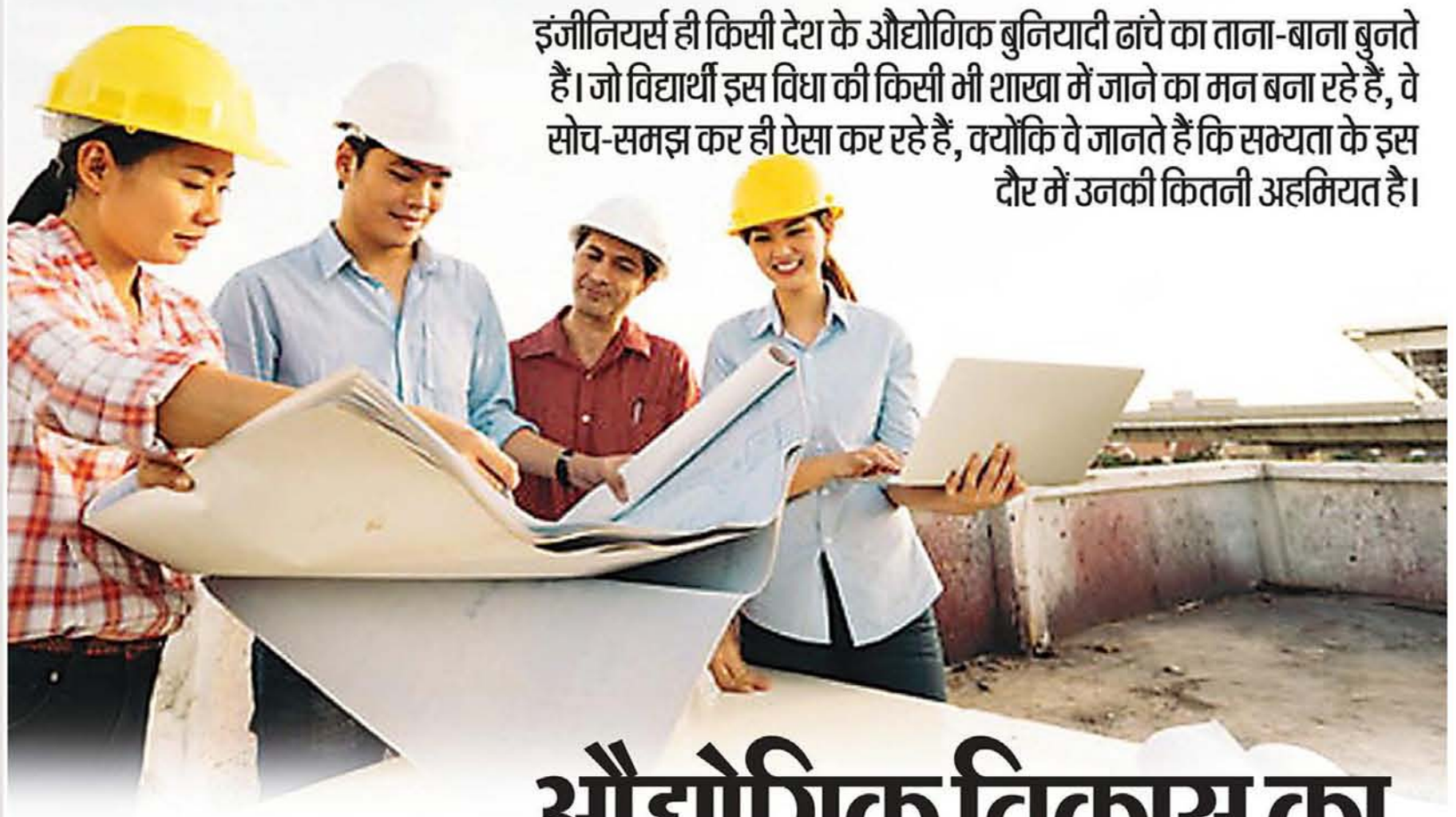

इंजीनियर्स ही किसी देश के औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे सोच-समझ कर ही ऐसा कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

# औद्योगिक विकास का ताना-बाना बुनते इंजीनियर्स

कुछ साल पहले तक जब करियर के इतने विकल्प नहीं थे, बच्चों को इंजीनियर बनाने का सपना मां-बाप के लिए सुनहरे कल का सपना होता था। चाहे कितनी ही परेशानी क्यों न उठानी पड़े, एक बार इंजीनियरिंग कॉलेज की कक्षाओं में पहुंच गए तो तकलीफें आने वाले दिनों में बरबस मुसकराने का माध्यम बन जाती थीं। आज भी न तो इस विधा की मांग में कमी आई है और न ही इसकी प्रतिष्ठा में। इतना जरूर हुआ है कि इंजीनियरिंग की जिन शाखाओं में पहले कम विद्यार्थी जाते थे, उनमें भी करियर की वही ऊंचाई दिखने लगी है, जिसके लिए इसे जाना जाता है।

इंजीनियरिंग (अभियांत्रिकी) दरअसल किसी भी वैज्ञानिक खोज और उसके व्यावसायिक अनुप्रयोग के बीच एक कड़ी के रूप में होती है और उसी रूप में वह तमाम भावी इंजीनियरों के लिए प्रेरणा स्रोत बनी हुई है। विज्ञान और गणित की सहायता से उपयोगी चीजों का निर्माण करने में ही इंजीनियरिंग की सार्थकता छिपी हुई है, यह किसी से नहीं छिपा है। यह एक ऐसी विशेषज्ञता प्रदान करती है, जिसके सहारे अवसरों के तमाम रास्ते खुल जाते हैं। इंजीनियर्स ही तो किसी देश की प्रौद्योगिकी व औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। ये क्या नहीं करते- सड़क इनके बिना नहीं बनती, पुल नहीं बन पाते, भवनों का निर्माण नहीं होता, मशीनों का अस्तित्व नहीं होता, छोटे उपकरणों से लेकर हवाई जहाज तक तैयार नहीं होते, कार-कंप्यूटर-मोबाइल जिनके बिना इक्कीसवी सदी का आना फीका होता, इनके बिना नहीं बनते। कहने का तात्पर्य यही है कि प्रगति और खुशहाली का आधार इंजीनियरिंग ही है। यही वजह है कि बारहवीं की पढ़ाई पूरी करते ही इस दिशा में बढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या काफी बड़ी होती है। इंजीनियर किसी भी किस्म की मशीनरी, प्रोडक्ट, सिस्टम और प्रोसेस के डिजाइन व डेवलपमेंट के लिए काम करते हैं। किसी भी प्रोजक्ट पर कितना समय लगेगा, कितना खर्च आएगा, क्या उपकरण लगेंगे, कैसे-कैसे उसका काम आगे बढ़ेगा, इन सबके पीछे उनका ही दिमाग होता है। आज इंसान के जीवन को आसान बनाने के लिए जो कुछ भी सामने आ रहा है, वह इन इंजीनियर्स की ही मेहनत का परिणाम है। ड्राइंग टेबल पर पसरी रेखाओं में भविष्य का कौन-सा उत्पाद छिपा है, यह इंजीनियर ही बता सकता है। जाहिर है ये इंडस्ट्रियल प्लांट में काम करते हैं, प्रयोगशालाओं में काम करते हैं, निर्माण स्थलों पर होते हैं, कार्यालयों में किसी अवधारणा के हर पहलू से जूझ रहे होते हैं। ये नहीं होते तो गगनचुम्बी इमारतें नहीं बनतीं, समन्दर की लहरों पर या गहराई में चलना नामुमकिन होता, आकाश में उड़ने की तो सोची ही नहीं जा सकती थी, कंप्यूटर कहां से आता, गेम कहां से बनते, बटन दबाते ही अमेरिका तो छोड़िए पास के शहर में किसी से बात नहीं हो पाती। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे नाहक ऐसा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

## विशेषज्ञता

इंजीनियरिंग की परंपरागत दो शाखाओं- सिविल और मैकनिकल- से आगे निकलते हुए आज इसकी विभिन्न शाखाएं प्रमुखता में हैं।

## एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में इसकी सख्त जरूरत है। कृषि से जुड़े उपकरणों के डिजाइन व निर्माण, सिंचाई व फार्म मशीनरी के लिए उपकरणों के डिजाइन व निर्माण से जुड़ी होती है यह शाखा।

## एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

आकाश मार्ग से जाना इनके बिना संभव नहीं। हवाई जहाज का डिजाइन कैसा हो कि आसानी से उड़ सके, मौसम को झेल सके, इन सब पर इसमें काम होता है। इस बात पर काफी काम होता है कि हवाई जहाज के भीतर की स्पेस कैसी हो कि ज्यादा लोग भी बैठ सकें और उड़ान में कोई दिक्कत भी न आए।

## कैमिकल इंजीनियरिंग

रसायनों की दुनिया बड़ी विचित्र होती है। किसके मेल से क्या बन जाएगा, यह तो कैमिकल इंजीनियर ही बता सकता है। दवाइयां, फूड प्रोसेसिंग, पेंट, टेक्सटाइल, खाद, सौन्दर्य प्रसाधन, साबुन, तेल जैसे कार्यों से जुड़ी कंपनियों में इनकी जरूरत होती है, ताकि वे शोध से रसायनों को उपयोगी व गैर-हानिकारक बना सकें।

## सिविल इंजीनियरिंग

सिविल इंजीनियरिंग की ही बदौलत ये सड़कें हैं, जिन पर तेजी से चलते हुए हम विकास कर रहे हैं, इमारतें हैं, जिनमें रहने से लेकर कार्यालयों का मामला जुड़ा है, पुल हैं, जिनके बिना नदी-नाले-पहाड़-समन्दर कुछ भी पार करना असंभव होता। और तो और अपवहन प्रणाली (ड्रेनेज सिस्टम) इनके बिना नहीं बनती और शहरों का क्या हाल होता, आज आसानी से समझा जा सकता है। हड़प्पा काल तक के लोगों ने जब इनकी अहमियत समझी तो आज तो इनके बिना एक पल नहीं रहा जा सकता।

## कंप्यूटर इंजीनियरिंग

आज कंप्यूटर का जमाना है, इस बात से कोई इनकार नहीं करेगा। लेकिन कंप्यूटर की सहायता से आज जो कुछ हो रहा है, वह इसके इंजीनियरों का ही तो कमाल है, जो इसके डिजाइन, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर पर बड़ी बारीकी से काम करते हैं और तब जाकर कहीं एक ऐसी प्रणाली बन पाती है, जिसके सहारे काम आसान हो पाते हैं।

## एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग

पर्यावरण ही तो हमारे जीवन के लिए सबकुछ है। यदि यह दूषित-प्रदूषित है तो हमारे लिए खतरा है। इससे जुड़े इंजीनियर उन परेशानियों को चिह्नित करते हैं और उनका समाधान ढूंढते हैं। हवा-पानी की स्वच्छ उपस्थिति को सुनिश्चित करना, ग्रीन हाउस उत्सर्जन को नियंत्रित रखना, पेड़-पौधे बनाए रखना, ये सब इन्हीं का तो काम है।

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मशीनरी, टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम, रेडियो, टीवी इत्यादि के डिजाइन, निर्माण व चलाने में इनकी भूमिका होती है। इनके बिना ऐसा नहीं हो पाएगा कि इस क्षेत्र में बेहतर से बेहतर उपकरण बनाए जाएं।

## मरीन इंजीनियरिंग

समन्दर की सतह पर या फिर गहराइयों में उतरने के लिए जिन जहाजों, उपकरणों व अन्य मशीनरियों की जरूरत होती है, मरीन इंजीनियर इनसे जुड़ी हर बात पर खोज करते हैं, सुधार करते हैं और संसार को खारे पानी के साथ मीठा बर्ताव करना संभव बनाते हैं।

## मैकेनिकल इंजीनियरिंग

आज जितनी भी मशीनरियां हैं और जिनके बिना अब काम करना कठिन लगने लगता है, वे सब मैकेनिकल इंजीनियर्स की डिजाइन क्षमता, निर्माण, प्रचालन व रख-रखाव संबंधी कौशल की बदौलत हैं।

## माइनिंग इंजीनियरिंग

जमीन के भीतर छिपे खनिजों को बाहर निकालने के लिए जो कुछ करना पड़ता है, वह इन इंजीनियर्स की ही देन है। जमीन के नीचे सुरंग बनाने से लेकर खनिजों को बाहर निकालने तक का काम इनके सहारे चलता है।

## पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

आज पेट्रोलियम उत्पादों की जरूरत इतनी बढ़ गई है कि उनके बिना विकास का पहिया रुकने का खतरा है। तेल भंडारों की खोज करना, तेल को निकालना, रिफाइनरी तक सुरक्षित पहुंचाना इस शाखा में आता है।

जाहिर है इंजीनियरिंग की इन व अन्य तमाम शाखाओं में करियर डिजाइन की संभावनाएं मौजूद हैं। जरूरत है तो इस बात की सही समय पर, सही तरीके से तैयारी कर इंजीनियरिंग की परीक्षा दी जाए और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाई जाए।

## नौकरी के अवसर

इंजीनियर्स के लिए अवसरों की कमी नहीं है। वे केंद्र सरकार या राज्य सरकार की नौकरी कर सकते हैं, सार्वजनिक उपक्रमों में काम कर सकते हैं, रक्षा सेवा में जा सकते हैं, निजी संस्थानों में काम कर सकते हैं, पावर प्लांट्स, अस्पतालों या बैंकों में काम कर सकते हैं या फिर अपनी कंसल्टेंसी खोल सकते हैं। इंजानियरिंग एक ऐसा कौशल है, जिसे जितने बड़े फलक पर आजमाया जाएगा, उतना ही बेहतर परिणाम मिलेगा। उदाहरण के लिए मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजानियर्स के लिए अधिक अवसर हैं, बनिस्पत मरीन व सेरेमिक इंजीनियर्स के। सरकार भी अलग-अलग परीक्षाओं के माध्यम से सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन शाखाओं में इंजीनियर्स की भर्ती करती है।

## वेतन

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद जितने अवसर मिलते हैं, वे अलग-अलग शाखाओं के हिसाब से वेतन या आमदनी का जरिया बनते हैं। सिविल इंजीनियरिंग से लेकर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग तक, मरीन इंजीनियरिंग से लेकर कंप्यूटर इंजीनियरिंग तक, सबकी अपनी मांग है और 10,000 रुपये प्रति माह से लेकर 30,000 रुपये प्रति माह की तनख्वाह मिल सकती है। अन्य क्षेत्रों की भांति इसमें भी अनुभव के साथ-साथ आमदनी बढ़ती जाती है। अपनी कंसलटेंसी का तो कोई वेतन जैसा गणित नहीं है, लेकिन काम जम जाने के बाद मामला लाखों-करोड़ों तक जा सकता है।

## रिलीज से पहले ही पुष्पा 2 ने तोड़ा 52 साल का यह रिकॉर्ड, ऐसा करने वाली पहली फिल्म बनी

पुष्पा 2: द रूल मुंबई के प्रतिष्ठित गेयटी-गैलेक्सी मल्टीप्लेक्स में सभी छह स्क्रीनों पर प्रदर्शित होने वाली पहली फिल्म बनकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए तैयार है। फिल्म के हर दिन कुल 18 शो होंगे। इस तरह अल्लू अर्जुन की यह फिल्म सिनेमा जगत में 52 साल के रिकॉर्ड को तोड़कर इतिहास रचने वाली है। फिल्म की एडवांस बुकिंग को पहले से ही शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, सीटें तेजी से भर रही हैं। मुंबई में हाल ही में एक कार्यक्रम में, मुख्य अभिनेता अल्लू अर्जुन ने खुलासा किया कि फिल्म विश्व स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ 12,000 से अधिक स्क्रीन पर रिलीज होगी। अब यह गेयटी-गैलेक्सी के सभी छह स्क्रीनों पर प्रदर्शित होने वाली पहली फिल्म है, एक मल्टीप्लेक्स जो आमतौर पर केवल दो या तीन स्क्रीनों पर फिल्में दिखाता है।

### गेयटी-गैलेक्सी मल्टीप्लेक्स में तोड़ा यह रिकॉर्ड

पुष्पा 2: द रूल छह सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी जिनमें गेयटी, गैलेक्सी, जेमिनी, गॉसिप, जेम और ग्लैमर शामिल हैं। अतीत में, अधिकांश फिल्में इनमें से केवल दो या तीन थिएटरों में दिखाई जाती थीं। 1000 सीटों वाली गेयटी में दोपहर 1:00 बजे, शाम 5:00 बजे और रात 9:00 बजे शो होंगे, जबकि 800 सीटों वाली गैलेक्सी में दोपहर 12:00 बजे, शाम 4:00 बजे और 8:00 बजे फिल्म दिखाई जाएगी। अन्य थिएटर भी दिन भर में अलग-अलग समय पर फिल्म की मेजबानी करेंगे।

### प्रतिदिन चलेंगे 18 शो

प्रतिदिन 18 शो चलाने का निर्णय इस मल्टीप्लेक्स के लिए पहला है, जो फिल्म की भारी मांग और लोकप्रियता को उजागर करता है। शो की संख्या को सीमित करने वाले 200 मिनट के लंबे समय के बावजूद, फिल्म उत्साह बनाए रखने में कामयाब रही है। विशेष रूप से तेलुगु राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में टिकट की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं।

पुष्पा 2: द रूल की उच्च मांग को मद्देनजर रखते हुए दोनों राज्य सरकारों ने टिकट की कीमत 600 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित करते हुए बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। यह केवल रिलीज के पहले चार दिनों, 5 दिसंबर से 9 दिसंबर तक लागू होगा। सुकुमार द्वारा निर्देशित और अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल अभिनीत यह फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

# 9 साल बाद पर्दे पर साथ दिखेंगे सूर्या और तृषा कृष्णन

साउथ सुपरस्टार सूर्या की 45वीं फिल्म अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। इसका अस्थायी शीर्षक सूर्या 45 है। दर्शकों को इस फिल्म से काफी उम्मीदे हैं क्योंकि सूर्या की हालिया रिलीज फिल्म कंगुवा बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पस्त रही है। सूर्या 45 का इंतजार कर रहे प्रशंसकों के लिए खुशखबरी है। अभिनेता को तमिलनाडु के पोलाची में श्री मसानिअम्मन मंदिर में निर्देशक आरजे बालाजी के साथ आगामी फिल्म के लिए पूजा समारोह में भाग लेते देखा गया। एकादशी के शुभ अवसर पर, सूर्या और आरजे बालाजी के साथ उनकी टीम समारोह के लिए प्रसिद्ध मंदिर में एकत्रित हुई। भगवान के आशीर्वाद के साथ फिल्म का मुहूर्त शॉट लिया गया। आइए इसके शूटिंग शेड्यूल पर गौर फरमा लेते हैं-

सूर्या 45 की शूटिंग का पहला शेड्यूल 28 नवंबर, 2024 को कोयंबटूर में होगा। सूर्या 45 लगभग दो दशकों के बाद सूर्या और तृषा कृष्णन को स्क्रीन पर साथ ला रही है। दोनों को आखिरी बार 2005 की फिल्म आरू में एक साथ देखा गया था। यह फिल्म सूर्या और आरजे बालाजी के बीच पहले सहयोग का प्रतीक है। ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही इस फिल्म के लिए एआर रहमान को संगीतकार के रूप में चुना गया है। सूर्या 44 पर भी चल रहा काम सूर्या अगली बार कार्तिक सुब्बाराज की एक्शन फिल्म में दिखाई देंगे, जिसका अस्थायी नाम सूर्या 44 है। सूर्या के साथ, फिल्म में पूजा हेगड़े, जयराम, जोजू जॉर्ज, करुणाकरण, नासर और प्रकाश राज जैसे अन्य कलाकार हैं। फिल्म का संगीत संतोष नारायणन ने तैयार किया है। शूटिंग पूरी होने और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जोरों पर होने के साथ, निर्माता इसे 2025 की गर्मियों में रिलीज की योजना बना रहे हैं।

### पर्दे पर पस्त हुई कंगुवा

सूर्या 44 और सूर्या 45 के अलावा अभिनेता की पाइपलाइन में वेत्री मारन की वादीवासल और लोकेश कनगराज की रोलेक्स स्टैंडअलोन फिल्म भी है। इस तरह अभिनेता की आगामी लाइन-अप आशाजनक लगती है। वहीं, सूर्या की हालिया रिलीज फिल्म कंगुवा सिनेमाघरों में चल रही है, जिसे ज्यादातर नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं। दरअसल, फिल्म को उनके जोरदार बैकग्राउंड म्यूजिक के कारण नकारात्मक समीक्षाएं मिलीं। समीक्षाओं का असर बॉक्स ऑफिस पर भी पड़ा है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी फ्लॉप साबित हुई है।

## बाहुबली की सफलता के बाद अपनी भूमिकाओं पर तमन्ना भाटिया का खुलासा

तमन्ना भाटिया ने 2005 में हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उसी साल उन्होंने फिल्म श्री से तेलुगु इंडस्ट्री में भी कदम रखा और उसके अगले साल केडी से तमिल में डेब्यू किया। तब से तमन्ना ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और आज वह सभी की पसंदीदा अभिनेत्री हैं। लेकिन ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म बाहुबली 1 और बाहूबली 2 उनके जीवन का एक बहुत महत्वपूर्ण मोड़ था। बाहुबली की आपार सफलता के बाद तमन्ना का जीवन कैसा था। तमन्ना भाटिया जब फिल्म इंडस्ट्री में आई थीं, तब वह नई थीं। इसलिए, ग्लैमर और चकाचौंध की दुनिया की भाषा और संस्कृति से तालमेल बिठाने के दौरान अभिनेत्री को शुरुआती सालों में काफी संघर्ष करना पड़ा था। अब तक, उन्होंने केवल 19 सालों में 80 से अधिक फिल्मों में काम किया है। बहरहाल, तमन्ना इन दिनों अविनाश तिवारी और जिमी शेरगिल के साथ आगामी फिल्म सिकंदर का मुकद्दर के प्रचार में व्यस्त हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अपने करियर में शुरुआती संघर्षों के बारे में बात करते हुए तमन्ना ने कहा, मुझसे बहुत बड़े लोगों के साथ और ऐसी जगह पर काम करना जहां मुझे भाषा नहीं आती थी, मेरी सबसे बड़ी सीखों में से एक थी। मैंने एक पूरी तरह से अलग संस्कृति को समझा और अब मैं तमिल और तेलुगु दोनों में बोल सकती हूं।फ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तमिल और तेलुगु में अपनी बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर फिल्मों की व्यावसायिक सफलता के बाद अपने करियर में आए बदलाव के बारे में बताते हुए तमन्ना ने कहा, मुझे व्यावसायिक सफलता तो मिली, लेकिन एक अभिनेत्री के तौर पर मैं अभी भी सीख रही थी। मैं अलग-अलग तरह की चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाना चाहती थी, जब कोई अभिनेता व्यावसायिक रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहा होता है, तो यह धारणा बन जाती है कि इससे दूर जाना और भूमिकाओं के साथ प्रयोग करना अनावश्यक है, लेकिन मेरा फंडा हटके था... मैं शुरू से ही अलग-अलग भूमिकाएं निभाना चाहती थी। तमन्ना ने अपनी जीवन पर बाहुबली के प्रभाव के बारे में बात करते हुए कहा, यह सभी के लिए एक गेम-चेंजर फिल्म थी, लेकिन इसने वास्तव में मेरी सोच और समझ को व्यापक बनाया। आप बाहुबली से बड़ा कुछ कैसे कर सकते हैं? मुझे आगे क्या करना चाहिए? क्या मुझे कुछ बड़ा करना चाहिए? या मुझे फिर से आविष्कार करना चाहिए।

# काली काली आंखें को मिली तारीफ से गदगद हैं आंचल

आंचल सिंह की सीरीज काली काली आंखें का दूसरा सीजन नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुका है। इसमें उनके साथ ताहिर राज भसीन, सौरभ शुक्ला, श्वेता त्रिपाठी और आंचल सिंह नजर आ रहे हैं। इनके अलावा इस बार गुरमीत चौधरी भी उनका साथ देते हुए नजर आ रहे हैं। शो में एक बार फिर से रणनीति और लुका-छिपी का खेल देखने को मिल रहा है। इसका पहला सीजन साल 2022 में आया था और अब दो साल बाद इसका अगला सीजन रिलीज हुआ है। अभिनेत्री ने सीजन 2 को मिले प्यार पर दर्शकों का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि लोगों से इतने ज्यादा प्यार की उन्हें उम्मीद नहीं थी। दर्शकों ने इस शो को उनकी उम्मीद से भी ज्यादा प्यार दिया है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि उन्हें लगातार अलग-अलग शहरों से लोग कमेंट और मैसेज के जरिए प्यार जता रहे हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि अक्सर लोग कहते हैं कि सीजन 2 सीजन 1 से अच्छा नहीं होता है, लेकिन लोगों को इसका सीजन 2 काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। हम सभी ने इसे बहुत प्यार और शिद्दत से बनाया है। मैं बहुत खुश हूं कि हमारी सीरीज ट्रेंडिंग में है।

### चुनौती भरा रहा शूटिंग का अहसास

आंचल ने इस बातचीत में आगे बताया कि इस बार काली काली आंखे में बहुत कुछ हो रहा है। इसमें पॉलिटिक्स, प्यार के साथ और भी कई चीजें देखने को मिल रही हैं। हालांकि, लोग इसमें प्यार के लिए हदें पार करते हुए नजर आ रहे हैं। यह सीजन दो साल के बाद आया है। इस गैप के पीछे की वजह है कि लोगों द्वारा इसे प्यार मिल रहा है। कई लोगों को इस बार की स्टोरी लाइन, ड्रामा काफी नया लग रहा है और लोग इसकी तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस सीरीज को मुंबई, मनाली और लंदन में शूट किया गया है। इसके लिए उन्हें तीन बजे सुबह उठना पड़ता था। बर्फ के बीच इसकी शूटिंग करना उनके लिए काफी चुनौती भरा था, लेकिन उन्हें ये करने में काफी मजा आया।

### इस किरदार के बाद लगा मेरा नया जन्म हुआ है

अभिनेत्री ने अपने किरदार अपूर्वा को लेकर कहा कि उसमें उन्हें काफी गहराई नजर आती है। उनका किरदार इमोशनल है, फाइटर है और वो हर परिस्थिति से लड़ने को तैयार रहती है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्होंने अपने किरदार से सीखा कि इंसान को वास्तविक जीवन में अपने स्वाभाव के प्रति ईमानदार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, अपूर्वा प्यार करती है, तो छिपाती नहीं है। वो हमेशा अपनी चीजों को दिखाने और कहने के प्रति ईमानदार रहती है। यह किरदार मेरे लिए जिंदगी भर खास रहेगा। इस किरदार के बाद लगा कि मेरा नया जन्म हुआ है।

# चंकी पांडे ने संघर्षों पर की बात बताया कैसे बन गए प्रॉपर्टी डीलर

चंकी पांडे बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रहे हैं। उन्होंने इंडस्ट्री में एक लंबा सफर तय किया है। अस्सी और नब्बे के दशक की शुरुआत में एक सफल करियर के बाद बतौर मुख्य किरदार उनके लिए अवसर कम होते चले गए। इसके बाद उन्होंने चरित्र भूमिकाएं निभानी शुरू कर दी। हाल में ही बातचीत के दौरान अभिनेता ने अपनी बेटी अनन्या पांडे के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश में काम करने और वहां जीविका कमाने के लिए किए गए संघर्ष को याद किया। इस बातचीत के दौरान चंकी ने बांग्लादेश में काम करने और जीविका कमाने के लिए संघर्ष करने को याद किया। इसे लेकर अनन्या ने उनसे पूछा कि 90 के दशक की शुरुआत के बाद चंकी का करियर ढलान पर आ गया, तो क्या उन्हें कभी ऐसा लगा कि यह अंत है। चंकी ने जवाब देते हुए कहा, हां हां। अंत का मतलब है कि यह म्यूजिकल चेयर्स की तरह था और जब संगीत बंद हो गया, तो आपके पास बैठने के लिए कुर्सी नहीं थी। मेरा मतलब है, मेरे पास ब्लॉकबस्टर फिल्में थीं।

### बंग्लादेश में प्रॉपर्टी डीलर और इवेंट मैनेजमेंट में किया काम

अभिनेता ने आगे कहा, इसलिए मैं बांग्लादेश चला गया, वहां फिल्में कीं। सौभाग्य से वे कामयाब रहीं और मैंने 4-5 साल तक उसे अपना घर बना लिया, लेकिन यह डरावना था।असल में मैंने काम करना बंद नहीं किया। मैंने एक इवेंट कंपनी खोली। फिर मैंने इवेंट करना शुरू किया। मैंने जमीन का सौदा करना, प्रॉपर्टी खरीदना शुरू किया। मैंने बस अपने अहंकार को किनारे रखा और खुद से कहा कि मुझे जीवित रहने की जरूरत है और इसलिए मैंने ये सब किया लेकिन मैंने उस प्रक्रिया में बहुत कुछ सीखा।

### तमाम चुनौतियों के बाद डटे रहे चंकी

इन तमाम चुनौतियों के बावजूद, चंकी पांडे का करियर चलता रहा है। 1980 के दशक में तेजाब और आंखें जैसी हिट फिल्मों से स्टारडम हासिल करने के बाद, उन्होंने 2000 के दशक में खुद को एक चरित्र अभिनेता के रूप में फिर से स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने हाउसफुल जैसी फिल्मों में अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए काफी तारीफ भी हासिल की। इस लगातार बदलते उद्योग में खुद को ढालने और बने रहने की उनकी क्षमता और प्रतिभा को दर्शाती है।

## पुष्पा की शूटिंग जल्दी खत्म करना चाहते थे अल्लू अर्जुन

तेलुगू स्टार और नेशनल अवॉर्ड विनिंग अभिनेता अल्लू अर्जुन ने अपने काम के अनुभव को लेकर बात की। फिल्म पुष्पा- द राइज को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में शूटिंग से जुड़ी कुछ खास बातें साझा की हैं। अल्लू अर्जुन ने बताया कि पिछले पांच साल से इस फिल्म के लिए काम कर रहे हैं। वे जल्द से जल्द पुष्पा की शूटिंग खत्म करना चाहते थे। वे अपने किरदार के लिए अपनी दाढ़ी बढ़ाने के लिए बाध्य थे, इसलिए वे जल्दी शूटिंग खत्म कर उसे हटाना चाहते थे। अल्लू अर्जुन ने कहा, मैंने इस फिल्म की शूटिंग लगभग पांच साल तक की, जिसमें पहला और दूसरा भाग भी शामिल है। मैं इस फिल्म के खत्म होने का इंतजार कर रहा था ताकि मैं क्लीन शेव कर सकूं। मेरी बेटी मेरे पास नहीं आती क्योंकि मैं उसे चूम नहीं सकता क्योंकि मेरी दाढ़ी है। मैंने पिछले तीन-चार सालों में उसे ठीक से चूमा नहीं है। अल्लू अर्जुन ने कहा कि जब उन्होंने पुष्पा की शूटिंग पूरी कर ली तो अगले दिन वे काफी भावुक हो गए। उन्होंने कहा, अगले दिन जब शूटिंग पूरी हो गई, मैं शांत सा हो गया। ये मेरे लिए बहुत कठिन समय था। मैं जिन चेहरों को पिछले पांच साल से देख रहा था, उन्हें मैंने फिर देखा।

# भाजपा की बूथ व मंडल चुनाव को लेकर हुई अहम बैठक

**नोएडा (चेतना मंच)।** भाजपा में चल रहे चुनाव पर्व को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में पुर्व सांसद एवं नोएडा चुनाव अधिकारी विनोद सोनकर, प्रदेश सह चुनाव अधिकारी एवं क्षेत्रीय चुनाव पर्वेक्षक अनिल चौधरी तथा लोकसभा सांसद डॉ महेश शर्मा रहे।

बैठक में चल रहे मंडल चुनाव और बूथ की समितियों पर चर्चा हुई। चुनाव अधिकारी ने ये साफ़ कर दिया की उन्ही मंडल में चुनाव प्रक्रिया होगी जहां 50 प्रतिशत बूथ समितियां बना गई होगी, जिन मंडलों में ये नहीं हुआ उस मंडल में चुनाव नहीं कराया जाएगा और एक स्थाई समिति बना दी जाएगी। बाद में जब जिलाध्यक्ष की घोषणा हो जाएगी उसके बाद उस मंडल में चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी।

मंडल अध्यक्ष के चुनाव के लिए कार्यकर्ता को कम से कम 2 बार सक्रिय सदस्य होना जरूरी है और 45 वर्ष से कम उम्र होनी चाइए। मंडल के पदाधिकारी के लिए भी सक्रिय सदस्य होना अनिवार्य है। महिलाओं कार्यकर्ताओं पर ये लागू नहीं होगा और हर माडल की टीम में कम से कम 3 महिला की भागीदारी होनी चाहिए।

हर माडल से मंडल चुनाव अधिकारी एक प्रस्ताव मंडल द्वारा लिखित रूप से जिला चुनाव अधिकारी को देगा जिसमें चुनाव प्रक्रिया के लिए स्थान और समय की सूचना मंडल चुनाव अधिकारी के द्वारा कम से कम 3 दिन पूर्व जिले को दी जाएगी।

सांसद डॉ महेश शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं की तारीफ़ की और कहा कि नोएडा की टीम पूरी मेहनत से हर मंडल की एक अच्छी कार्यकारिणी चुनेगी। की बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने की और सभी चुनाव अधिकारियों को ये विश्वास दिलाया की सारी चुनावी प्रक्रिया सही तरीके और प्रदेश द्वारा जारी किए निर्देशों के अनुसार ही होगी।

बैठक में सभी मंडलों से चुनाव अधिकारी, शक्ति केंद्र चुनाव अधिकारी, जिला कार्यकारिणी के साथ जिला पदाधिकारी मौजूद रहे।

## वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की बेटी ने 29वीं मंजिल से कूदकर दी जान

**नोएडा (चेतना मंच)।** थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के सेक्टर-128 से स्थित जेपी विश- टाऊन इंपिरियल कोर्ट में रहने वाले एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की बेटी ने 29 वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर लिया है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मृतका कुछ दिनों से मानसिक तनाव में थी।

पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के सेक्टर-128 स्थित जेपी शिश टाउन सोसाइटी में रहने वाली रिधा मुस्तफा पुत्री मोहम्मद मुस्तफा (24 वर्ष) ने रविवार को अपनी सोसाइटी के 29वीं मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट से ऊपर से नीचे छलांग लगा दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में उसकी मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बताया जाता है कि मोहम्मद मुस्तफा 1995 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने इसी वर्ष जून माह में बीआरस ले लिया था। मोहम्मद मुस्तफा उत्तर प्रदेश के बहुचर्चित आईएएस अधिकारी रहे हैं। वह मायावती सरकार मे राजा भैया के खिलाफ कार्रवाई करने के बाद काफी चर्चाओं में आए थे।

## सेक्टर-27 आरडब्ल्यूए के फिर अध्यक्ष बने राजीव गर्ग

### मदनलाल शर्मा महासचिव तथा एस.के. शर्मा बने कोषाध्यक्ष

**नोएडा (चेतना मंच)।** सेक्टर-27 आरडब्ल्यूए के चुनाव अधिकारी सुरेश गुप्ता एवं चुनाव अधिकारी एन एस चौधरी अमृत भल्ला, एएम खान एवं निर्मल गुहा के नेतृत्व में चुनाव कराए गए। चुनाव में पुनः राजीव गर्ग को अध्यक्ष तथा मदन लाल शर्मा को महासचिव चुना गया। वहीं कोषाध्यक्ष एस के वर्मा, सहसचिव एम एल गोगिया, नरेश अवाना, सहकोषाध्यक्ष गौरव सिंघल निर्विरोध चुने गए। उपाध्यक्ष के दो पदों के लिए तीन प्रत्याशियों द्वारा चुनाव लड़ा गया। चुनाव में मतदान सुबह 9 बजे से 1 बजे तक सेक्टर-27 आरडब्ल्यूए के सदस्यों ने मत डाले। जिसमें कुल मत 628 थे। जिसमें से 351 सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए राजीव गर्ग एवं मदनलाल शर्मा के पैनल के प्रत्यशी उपाध्यक्ष पद पर राजीव जैन जिनको 331 मत, जुगल किशोर गुप्ता को 312 मत पा कर विजयी घोषित किए गए एवं निर्दलीय प्रत्याशी सुशील शर्मा को मात्र 31 मत प्राप्त हुए। अध्यक्ष राजीव गर्ग ने इस जीत का पूरा श्रेय सेक्टर-27 के सदस्यों एवं निवासियों को दिय।

## रिटायरमेंट के बाद धन प्रबंधन पर वाइस फिन सर्व का आयोजन

**नोएडा (चेतना मंच)।** क्लियो काउंटी सोसाइटी, सेक्टर-121 नोएडा ने चारू पाहुजा, डायरेक्टर, वाइस फिन सर्व के साथ मिलकर वरिष्ठ नागरिक मंच में एक चर्चा सत्र आयोजित किया। इस आयोजन में 150 से अधिक सदस्यों, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, ने भाग लिया और रिटायरमेंट के बाद धन प्रबंधन के लिए उपलब्ध विकल्पों के बारे में लाभ उठाया।

कार्यक्रम के दौरान वाइस फिन सर्व की टीम, जिसका नेतृत्व अजय यादव, सीईओ, वाइस फिन सर्व, ने किया, ने वरिष्ठ नागरिकों को सॉवरेन बॉन्ड्स, सुरक्षित बॉन्ड्स, आरबीआई बॉन्ड्स, वरिष्ठ नागरिक बचत योजनाओं और उच्च रेटिंग वाले निश्चित आय वाले पोर्टफोलियो के बारे में जानकारी दी। अशोक सिंघल, महासचिव ने वाइस फिन सर्व का आभार व्यक्त किया और साझा की गई उपयोगी जानकारी के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सोसाइटी के निवासी इस जानकारी से लाभान्वित होंगे।

## पीकेएल-11 : पटना पाइरेट्स ने बंगाल वारियर्स को 3 अंक से हराया

**नोएडा (चेतना मंच)।** देवांक (13) और अयान (8) के शानदार खेल की बदौलत तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेटस ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में रविवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 88वें मैच में बंगाल वारियर्स को 38-35 से हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।

पटना को 15 मैचों में नौवीं जीत मिली है। देवांक और अयान के अलावा उसके लिए दीपक ने पांच और अंकित ने तीन अंक जुटाए जबकि बंगाल के लिए स्टार रेडर मनिंदर सिंह ने सुपर-10 लगाया। नितिन ने भी 6 अंक लिए जबकि डिफेंस से सागर ने चार अंक बनाए।

बंगाल ने मनिंदर के शानदार रेड्स की बदौलत शुरुआती चार मिनट में 5-4 की लीड बना ली थी लेकिन मयूर कदम को आउट कर देवांक ने स्कोर 5-5 कर दिया और फिर अंकित ने मनिंदर को लपक पटना को 6-5 से आगे कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों को 2-2 अंक मिले और फिर फजल ने अयान का शिकार कर 8वें मिनट में स्कोर 8-8 कर दिया।

आलइन के बाद पटना ने 2 के मुकाबले 3 अंक लेकर 10 अंक का फासला बनाए रखा। और फिर इसे 11 तक पहुंचाते हुए बंगाल को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। सागर ने हालांकि देवांक को सुपर टैकल कर फासला थोड़ा कम किया। फिर फजल ने देवांक का सुपर टैकल कर 30 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 25-33 कर दिया।

बंगाल की टीम सुपर टैकल के दम पर मैच में बनी हुई थी। मयूर ने अयान के खिलाफ एक और सुपर टैकल के साथ स्कोर 27-34 किया और फिर विश्वास ने अकरम और दीपक को बाहर कर फासला 5 का कर दिया। पटना ने हालांकि 8 अंक की लीड के साथ अपनी स्थिति मजबूत की। यहां से पटना की जीत तय लग रही थी।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com

## दो दिवसीय राष्ट्रीय कायस्थ महासमागम को लेकर हुई बैठक

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद (रजिस्टर्ड) के द्वारा कानपुर में होने वाले दो दिवसीय राष्ट्रीय कायस्थ महासमागम का आयोजन को लेकर आयोजन के संयोजक इंजीनियर मयंक श्रीवास्तव ने नोएडा एक्सटेंशन के चित्रांश परिवार और चित्रांश फाउंडेशन के पदाधिकारियों के साथ अहम बैठक नवदुर्गा रेस्ट्रोरेंट मे की और कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया गया।

इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार मे वन राज्य मंत्री अरुण सक्सेना और पूर्व राज्य सभा सांसद आर के सिन्हा के साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि की भूमिका में रहेंगे।

इंजीनियर मयंक श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के बारे में विस्तृत चर्चा की उन्होंने बताया इस कार्यक्रम के अंदर भारत वर्ष से करीब30000 कायस्थ बंधुओ को आमंत्रित किया गया है। कायस्थ महासंगम के तत्वाधान में 2000 नव युवकों को स्वयं के रोजगार दिलाने का भी लक्ष्य रखा गया है।

नवरत्न फाउंडेशन के महासचिव विवेक श्रीवास्तव पिछले कई महीनों से नोएडा /नोएडा एक्सटेंशन के कायस्थो को कार्यक्रम मे पहुंचने की अपील कर रहे है ।

इस मौके पर चित्रांश परिवार से डॉ. राजीव वर्मा, अजय खरे,राकेश श्रीवास्तव, रत्नेश श्रीवास्तव, सुनील सक्सेना, श्याम सक्सेना, मनोज़ श्रीवास्तव, प्रकाश, सनी, चित्रांश फाउंडेशन के अध्यक्ष संजीव वर्मा, महासचिव प्रभास नंदन, जितेंद्र, नेफोवा के संस्थापक सदस्य मिहिर गौतम व नीरज श्रीवास्तव बैठक मे उपस्थित रहे। उपरोक्त जानकारी विशाल श्रीवास्तव ने दी।